RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 60 ● भिलाई, बुधवार 03 सितम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

गोरा बनाने का झांसा देकर पत्नी को जिंदा जलाया

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर की एक अदालत ने समाज की आत्मा को झकझोर देने वाले एक मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। पत्नी को 'काली और मोटी' कहकर प्रताड़ित करने और फिर उसे 'गोरा बनाने' का झांसा देकर जिंदा जला देने वाले क्रूर पति को अदालत ने मौत की सजा सुनाई है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने दोषी किशनदास पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह दिल दहला देने वाली घटना 24 जून 2017 की है, जब वल्लभनगर के नवानिया गांव के रहने वाले किशनदास ने अपनी पत्नी लक्ष्मी की निर्मम हत्या कर दी थी। किशनदास अपनी पत्नी लक्ष्मी को उसके सांवले रंग और वजन के कारण पसंद नहीं करता था और उसे लगातार ताने मारता था। अतिरिक्त लोक अभियोजक दिनेश चंद्र पालीवाल के अनुसार, घटना की रात करीब 11 बजे किशनदास एक केमिकल लेकर आया और अपनी पत्नी लक्ष्मी से कहा कि यह 'गोरेपन की दवा' है और इसे पूरे शरीर पर लगाने से वह गोरी हो जाएगी। उसकी बातों में आकर लक्ष्मी राजी हो गई। इसके बाद किशनदास ने खुद वह केमिकल पत्नी के शरीर पर लगाया और फिर माचिस की तीली जलाकर उसे आग के हवाले कर दिया। लक्ष्मी की चीखें सुनकर घरवाले दौड़े और उसे अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पति के कमरे को कुंडी लगाकर चुपके से देवर के बेडरूम में गई भाभी

नई दिल्ली। बिहार के पटना में मर्डर का एक मामला सामने आया है जहां, भाभी ने अपने देवर को चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी। इस वारदात को अंजाम देने के बाद वह फरार हो गई। मामला भुसौला दानापुर इलाके का है। पारिवारिक विवाद में 24 वर्षीय रिजवान कुरैशी की हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप मृतक की मंझली भाभी पर ही लगा है, बताया जाता है कि घर के पहले तल्ले पर स्थिति कमरे में सोए देवर पर भाभी ने चापड़ से हमला कर उसे मार डाला। परिजनों ने बताया- रिजवान अपने घर के कमरे में सोया हुआ था।

उत्तर भारत में आसमान से आफत!

हिमाचल-उत्तराखंड में भूस्खलन,दिल्ली-पंजाब में बाढ़ से हाहाकार

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर भारत के पूरे हिस्से में बारिश का कहर जारी है क्योंकि राज्य जलमग्न सड़कों, बाढ़ की चेतावनियों, बह गए घरों और यमुना के खतरे के निशान से ऊपर होने से जूझ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में कई लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य लापता हैं, जहाँ पिछले कुछ दिनों से बादल फटने से लगातार बाढ़ आ रही है। इस बीच, पंजाब में 29 लोगों की मौत हो गई है और हज़ारों लोग विस्थापित हुए हैं क्योंकि राज्य हाल के इतिहास की सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है। दिल्ली और उससे सटे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में भी ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहाँ बाढ़ का पानी लोगों के घरों में घुस गया और अधिकारियों ने और भी ख़तरों की चेतावनी दी है क्योंकि आस-पास के बैराज लगातार पानी छोड़ रहे हैं। हालांकि, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कम से कम सात दिनों तक कोई राहत नहीं मिलने की भविष्यवाणी की है। -उत्तराखंड में भारी बारिश के बीच केदारनाथ के समीप एक वाहन के भूस्खलन की चपेट में आने उसमें सवार दो श्रद्धालुओं की मौत हो गयी जबकि छह अन्य लोग घायल हो गए। प्रदेश में लगातार वर्षा के मद्देनजर पांच सितंबर तक हेमकुंड साहिब और चारधाम यात्रा स्थगित कर दी गयी है। मौसम विभाग द्वारा प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर बारिश का रेड अलर्ट या आरेंज अलर्ट जारी किए जाने के मद्देनजर ज्यादातर जिलों में मंगलवार को भी

लगातार दूसरे दिन स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गयी है। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच मुनकटिया के पास हादसा सुबह करीब साढ़े सात बजे हुआ। -हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भूस्खलन से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि बाढ़ प्रभावित पंजाब में सोमवार को फिर मूसलाधार बारिश हुई, जिसके कारण राज्य के सभी स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए। जम्मू-कश्मीर के कटरा कस्बे में भारी वर्षा के बीच माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा लगातार सातवें दिन स्थगित रही। पिछले मंगलवार को यात्रा मार्ग पर भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई थी। -जम्मू-कश्मीर, गुरुग्राम, उत्तर प्रदेश और चंडीगढ़ सहित कई क्षेत्रों के स्कूल आज बंद हैं। गुरुग्राम में निजी और कॉर्पोरेट कार्यालयों को, जहाँ सोमवार को शहर और एनसीआर में भारी बारिश के बाद 20 किलोमीटर लंबा ट्रैफ़िक जाम लग गया था, आज के लिए घर से काम करने के लिए कहा गया है। पंजाब के 10 से ज़्यादा ज़िले भारी बारिश और बाँधों से पानी छोड़े जाने के कारण बाढ़ की चपेट में हैं। राज्य में अगस्त में 253.7 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य से 74 प्रतिशत अधिक और 25 वर्षों में सबसे अधिक है।

आप के सभी सांसद-विधायक देंगे एक माह की सैलरी

आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देश पर आई किसी भी मुसीबत के सामने पंजाब हमेशा सीना तानकर खड़ा रहा है। आज पंजाब संकट में है। मेरी सभी देशवासियों से अपील है कि इस मुश्किल घड़ी में पंजाब के लोगों की हर संभव मदद करें। आम आदमी पार्टी के सभी सांसद व विधायक एक महीने की सैलरी पंजाब मुख्यमंत्री राहत कोष में दे रहे हैं। आइये हम सब मिलकर पंजाब को इस भयानक त्रासदी से उबारें। पंजाब में बारिश और बाढ़ से जन जीवन पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है। अमृतसर में भारी बारिश के कारण कच्चे मकान की छत गिर गई। मलबे में दबने से मासूम की मौत हो गई। घटना बाबा बकाला के गांव सठियाल की है। गांव सठियाल में घर की छत गिरने से बच्ची की मौत हुई है।

विदेशियों के प्रवेश और ठहराव पर कई सख्त प्रावधान

घुसपैठियों की अब खैर नहीं,हर राज्य में बनेंगे डिटेंशन सेंटर.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत सरकार ने हाल ही में लागू इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट 2025 के तहत विदेशियों के प्रवेश और ठहराव पर कई सख्त प्रावधान किए हैं। यह आदेश सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक व्यवस्था और संवेदनशील सीमाई इलाकों की सुरक्षा से जुड़ा है। यह प्रावधान स्पष्ट करता है कि भारत अब अपनी सुरक्षा नीतियों में किसी तरह का जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। हम आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि विदेशियों पर अगर राष्ट्र विरोधी गतिविधियों, जासूसी, बलात्कार और हत्या, आतंकवादी कृत्यों, बाल तस्करी या किसी प्रतिबंधित संगठन का सदस्य होने का आरोप सिद्ध होता है तो उन्हें भारत में प्रवेश करने या रहने की अनुमति देने से मना किया जा सकता है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि हाल ही में लागू किए गए आव्रजन एवं विदेशी अधिनियम, 2025 के तहत प्रत्येक राज्य सरकार और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन विदेशियों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने के उद्देश्य से समर्पित निरुद्ध केंद्र या हिरासत शिविर स्थापित करेगा, जब तक कि उन्हें निर्वासित नहीं कर दिया जाता। गृह मंत्रालय ने कहा कि जो भी विदेशी किसी भी श्रेणी के वीजा के लिए आवेदन करता है, जिसमें प्रवासी भारतीय नागरिक (ओसीआई) कार्डधारक के रूप में पंजीकरण भी शामिल है, उसे वीजा जारी करने वाली अथवा ओसीआई कार्डधारक के रूप में पंजीकरण प्रदान करने वाले प्राधिकरण को अपनी बायोमेट्रिक जानकारी देने की अनुमति देनी होगी।

पुंछ में एलओसी पर घुसपैठ की बड़ी कोशिश

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी से सटे पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर आज सुबह से ही भारतीय सेना और घुसपैठियों के बीच भीषण गोलीबारी जारी है। सेना ने सुबह पुंछ के बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर एक बड़ी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया, जिसके बाद यह मुठभेड़ शुरू हो गई। रक्षा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सेना के सतर्क जवानों ने आज सुबह बालाकोट सेक्टर के डब्बी इलाके में बाड़ के आगे जीरो लाइन के पास कुछ संदिग्ध हलचल देखी। जब जवानों ने संदिग्ध घुसपैठियों को ललकारा तो उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। भारतीय सेना ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों ओर से भीषण गोलीबारी होने लगी। सूत्रों ने बताया कि इलाके में अभी भी सेना का ऑपरेशन जारी है।

भाजपा ने लगाए थे गंभीर आरोप

दो पहचान पत्र नंबर को लेकर आयोग ने दिया खेड़ा को नोटिस

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के दो पहचान पत्र नंबर को लेकर अब उनकी मुसीबतें बढ़ने वाली हैं। इस मामले में चुनाव आयोग ने उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। नई दिल्ली के जिला निर्वाचन कार्यालय ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में अपना पंजीकरण कराने के लिए नोटिस भेजा है। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी नोटिस में इस मामले में खेड़ा से जवाब मांगा गया है। निर्वाचन अधिकारी ने उनको 8 सितंबर को सुबह 11 बजे तक का समय दिया है। जारी नोटिस में जिला निर्वाचन अधिकारी के हवाले से कहा गया है, 'मेरे संज्ञान में लाया गया है कि आपने अपना नाम एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में पंजीकृत कराया है। जैसा कि आप जानते होंगे कि एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में पंजीकृत होना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत दंडनीय अपराध है। इसलिए आपको निर्देश दिया जाता है कि आप कारण बताएं कि उक्त अधिनियम के तहत आपके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए।' बता दें कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने वोट चोरी पर कांग्रेस पर पलटवार करते हुए पवन खेड़ा पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि पवन खेड़ा ने दो निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में अपना पंजीकरण करा रखा है। उन्होंने खेड़ा के दो पहचान पत्र नंबर भी साझा किए थे।

खतरे के निशान से ऊपर बह रही यमुना

सीएम रेखा गुप्ता बाढ़ की स्थिति का लिया जायजा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता लोहा पुल पहुंचीं, जहां कल से लगातार हो रही बारिश के कारण यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, और उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की। रेखा गुप्ता ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। हथिनीकुंड बैराज से छोड़ा गया पानी शाम तक दिल्ली पहुँचने की उम्मीद है। इसके बावजूद, यहाँ से पानी का बहाव सही जगह पर है। यहाँ के निवासियों के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ कर दी गई हैं। आगे और भी बेहतर व्यवस्थाएँ की जाएँगी। मैंने यहाँ के लोगों से मुलाकात की और उनके रहने-खाने की व्यवस्था देखी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना के मैदान में ही पानी का बहाव है...लोगों के लिए सभी व्यवस्थाएँ की जा रही है। हम किसी भी तरह की कठिनाई नहीं होने देंगे। मैंने आस-पास के राज्यों - जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और हरियाणा - से बात की है।

चीखता रहा मासूम, कुत्ता नोंचता रहा 11 साल के बच्चे की दर्दनाक मौत

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पालतू कुत्ते ने 11 साल के मासूम बच्चे को नोंच-नोंच कर मार डाला। बच्चे का कसूर सिर्फ इतना था कि वह कबाड़ बीनकर अपने परिवार के लिए दो वक्त की रोटी का जुगाड़ कर रहा था। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कुत्ते के मालिक को गैर इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह दर्दनाक घटना कोतवाली इलाके के गाड़ीपुरा की है। शुक्रवार की सुबह 11 वर्षीय आहिल रोज की तरह कबाड़ बीनने के लिए घर से निकला था। मृतक बच्चे की बुआ नसीम ने पुलिस को दी ।

संशोधित अनुमानों से जुड़ी बैठकें नवंबर के मध्य तक चलेंगी

9 अक्तूबर 2025 से शुरू होगी आम बजट तैयार करने की प्रक्रिया,वित्त मंत्रालय ने दी जानकारी

नई दिल्ली/ एजेंसी

वित्त मंत्रालय 2026-27 के लिए वार्षिक बजट तैयार करने की प्रक्रिया 9 अक्तूबर से शुरू करेगा। सरकार की ओर से मंगलवार को यह जानकारी दी गई। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और भारत से आयातित वस्तुओं पर अमेरिका की ओर से लगाए गए 50 प्रतिशत भारी टैरिफ को देखते हुए आने वाले वित्तीय वर्ष का बजट काफी अहम है। अगले वित्तीय वर्ष के बजट में मांग बढ़ाने, रोजगार सृजन और अर्थव्यवस्था को 8 प्रतिशत से अधिक की विकास दर देने पर सरकार का जोर रहेगा। सरकार का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था 6.3-6.8 प्रतिशत के बीच बढ़ेगी। आर्थिक मामलों के विभाग के बजट परिपत्र (2026-27) के अनुसार, सचिव (व्यय) की अध्यक्षता में बजट-पूर्व बैठकें 9 अक्तूबर 2025 से शुरू होंगी। परिपत्र के अनुसार वित्तीय सलाहकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि परिशिष्ट I से VII में अपेक्षित आवश्यक विवरण 3 अक्तूबर 2025 से पहले या उससे पहले ठीक से दर्ज कर लिए जाएं। तय प्रारूपों में डेटा की हार्ड कॉपी क्रॉस चेकिंग के लिए मुहैया की जानी

चाहिए। बयान में कहा गया है कि 2026-27 के बजट अनुमानों को बजट-पूर्व बैठकों के पूरा होने के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा। संशोधित अनुमान (आरई) से जुड़ी बैठकें नवंबर 2025 के मध्य तक जारी रहेंगी। परिपत्र में बताया गया कि सभी मंत्रालयों-विभागों को स्वायत्त निकायों-कार्यान्वयन एजेंसियों का विवरण प्रस्तुत करना चाहिए। इसके लिए एक समर्पित कोष बनाया गया है। बजट 2026-27 संसद के बजट सत्र के पहले भाग के दौरान 1 फरवरी को पेश किए जाने की संभावना है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष के बजट में नाममात्र आधार पर 10.1 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। दूसरी ओर, राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने फरवरी के अंत में बजट पेश करने की औपनिवेशिक काल की परंपरा को खत्म कर दिया है।

भारत आत्मनिर्भरता की यात्रा में एक मील का पत्थर साबित होगा

भारत की सेमीकंडक्टर क्रांति का बिगुल बजा:पीएम मोदी को मिली पहली स्वदेशी चिप 'विक्रम 32-बिट

नई दिल्ली/ एजेंसी

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सेमीकॉन इंडिया 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत का पहला स्वदेश निर्मित विक्रम-32-बिट प्रोसेसर चिप भेंट किया, जो देश की सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता की यात्रा में एक मील का पत्थर साबित होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) द्वारा विकसित, विक्रम चिप देश का पहला पूर्णत: स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर है, जिसे विशेष रूप से अंतरिक्ष प्रक्षेपण यान की कठिन परिस्थितियों के लिए डिज़ाइन और योग्य बनाया गया है। इसके बारे में अधिक जानकारी देते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि भारत में एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र आ गया है। यह एक आधारभूत उद्योग है...सेमीकंडक्टर के साथ, आप बहुत सारे विनिर्माण कर सकते हैं। आपको कार, रेफ्रिजरेटर, स्कूटी, रक्षा, मोबाइल फोन, लैपटॉप के लिए इसकी आवश्यकता होती है; आपको हर चीज के लिए सेमीकंडक्टर चिप्स की आवश्यकता होती है। यह आज देश की एक प्रमुख आवश्यकता है। इसलिए, पीएम ने सेमीकंडक्टर उद्योग पर बहुत ध्यान केंद्रित

किया है। 10 संयंत्रों में से 4 के लिए पायलट लाइन तैयार है। उन्होंने कहा कि इस साल के अंत तक, सभी 4 पायलट लाइनों में उत्पादन शुरू हो जाएगा...आज, पहली 'मेड इन इंडिया' चिप पीएम को भेंट की गई। भारत में प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए एक बड़ा काम किया जा रहा है। 278 विश्वविद्यालयों में सेमीकंडक्टर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह बहुत खुशी की बात है कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्रों ने पहले ही 20 चिप्स डिजाइन किए हैं। डिजाइनिंग के बाद, इनका निर्माण किया गया है। यह देश के दीर्घकालिक विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। वैष्णव ने कहा कि सेमीकॉन का पूरा ध्यान प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में एक संपूर्ण (सेमीकंडक्टर का) पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है।

हाइड्रोजन बम वाले बयान पर पटलवार

राहुल गांधी विदेशी हितों के लिए जीतें-गिरिराज..

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम वाले बयान पर उनकी कड़ी आलोचना की और उन पर जॉर्ज सोरोस जैसे लोगों के साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया, जो कथित तौर पर भारत में आंतरिक कलह पैदा करना चाहते हैं। यह टिप्पणी लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा भाजपा को एक आसन्न खुलासे की चेतावनी देने के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह जल्द ही वोट चोरी के अपने आरोपों से संबंधित एक

हाइड्रोजन बम छोड़ेंगे। कांग्रेस सांसद के बयान के बाद, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष के नेता विदेशी हितों के लिए जीते हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के लिए जीते हैं। एएनआई से बात करते हुए, गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री देश के लिए जीते हैं।

रजत महोत्सव पर जिला चिकित्सालय बेमेतरा में रक्तदान शिविर आयोजित, युवा रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

बेमेतरा। रजत महोत्सव पर जिला चिकित्सालय बेमेतरा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं से 33 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। यह रक्तदान शिविर रजत महोत्सव पर कलेक्टर रणबीर शर्मा के निर्देशानुसार सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर के आदेश पर एवं सिविल सर्जन डॉ लोकेश साहू के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस रक्तदान शिविर में शामिल हुए युवा वर्ग वीर बलिदानी गुरु बालक दास जी की जन्म जयंती होने पर युवा वर्ग ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए रक्तदान किया।

रक्तदान महादान, समाज सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण

इस रक्तदान शिविर अवसर पर सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर, सिविल सर्जन डॉ लोकेश साहू ने शिविर का निरीक्षण कर समस्त व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और रक्तदाताओं से भेंटकर उनका उत्साहवर्धन किया। सीएमएचओ डॉ रोहलेडर ने इस अवसर पर कहा कि रक्तदान एक महान मानवीय सेवा है। प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान कर समाज में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्त की उपलब्धता से गंभीर रूप से बीमार मरीजों, प्रसवकालीन जटिलताओं से गुजर रही महिलाओं तथा दुर्घटना पीड़ितों का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने युवा रक्त दाताओं की पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज में सेवा एवं सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रकार के आयोजन अत्यंत आवश्यक हैं। साथ ही उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने की अपील की। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि रक्तदान शिविर में आने वाले सभी दाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर रक्त दान की प्रक्रिया पूर्ण करे। उन्होंने कहा कि रक्त संग्रहण एवं भंडारण की प्रक्रिया पूर्णतः सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके से करे, ताकि भविष्य में जरूरतमंद मरीजों को इसका लाभ समय पर मिल सके। जिला अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कई युवाओं ने पहली बार रक्तदान कर समाज सेवा का संकल्प लिया। शिविर में जिला अस्पताल के चिकित्सकों और ब्लड बैंक की टीम सक्रिय रूप से मौजूद रही।

रक्तदान शिविर के दौरान वातावरण में उत्साह और सेवा भाव का संचार दिखाई दिया। रक्तदाताओं को सिविल सर्जन डॉ लोकेश साहू द्वारा एक पेड़ मां के नाम रोपण हेतु सौंपा गया और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए और उन्हें पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया गया। साथ में रक्तदाताओं को जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक द्वारा धन्यवाद दिया गया।

सड़क हादसे में घायल युवक की जान बचाने आगे आए प्रो. वाई.डी. साहू

निजी वाहन से पहुँचाया जिला हॉस्पिटल, प्राथमिक उपचार के बाद किया एम्स रेफर

बेमेतरा। बेमेतरा से देवरबीजा मार्ग पर सेवा सहकारी समिति देवरबीजा के पास सड़क हादसे में घायल युवक को तत्काल मदद प्रदान करते हुए विधायक दीपेश साहू के छोटे भाई प्रोफेसर वाई. डी. साहू ने मानवता और दरियादिली का परिचय दिया। जानकारी के अनुसार, ग्राम परसबोर्ड निवासी दिनेश वर्मा सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस दौरान प्रो. साहू ने बिना विलंब किए अपने निजी वाहन से घायल को तत्कालजिला हॉस्पिटल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद युवक की स्थिति गंभीर होने पर उसे एम्स रेफर किया गया। इस मानवीय पहल से मौके पर मौजूद लोगों ने विधायक साहू के छोटे भाई प्रोफेसर वाई डी साहू की त्वरित मदद और संवेदनशीलता की सराहना की। उनकी इस दरियादिली भरी पहल से न केवल एक घायल युवक की जान बची बल्कि समाज के लिए भी मानवीय उदाहरण प्रस्तुत हुआ। विधायक दीपेश साहू के छोटे भाई प्रोफेसर वाई. डी. साहू ने इस मौके पर कहा कि मानव जीवन सबसे अनमोल है। किसी भी आपदा या दुर्घटना की स्थिति में हर व्यक्ति का पहला कर्तव्य यही होना चाहिए कि वह पीड़ित की मदद के लिए आगे आए। हम सभी को समाज में मानवीय संवेदनाओं को सर्वोपरि रखते हुए जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए।

जापान और दक्षिण कोरिया यात्रा से लौटे मुख्यमंत्री का छत्तीसगढ़ चेम्बर टीम ने किया भव्य स्वागत

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ के ऊर्जावान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 10 दिवसीय जापान एवं दक्षिण कोरिया विदेश यात्रा करके छत्तीसगढ़ पहुंचने पर स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर में प्रदेशवासियों द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस दौराने छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी एवं कार्यकारी अध्यक्ष ललित जयसिंघ के नेतृत्व में चेम्बर टीम एवं व्यापारियों ने स्वागत व अभिनंदन कर सफल यात्रा के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की नई औद्योगिक विकास नीति सफलता के प्रतिमान स्थापित कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विदेश प्रवास से छत्तीसगढ़ में विभिन्न सेक्टरों में निवेश के रास्ते खुले हैं, जिससे प्रदेश में नवीन तकनीकों के उपयोग, ऊर्जा आत्मनिर्भरता, युवाओं की स्किलिंग और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। जो छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने में मिल का पत्थर साबित होगा। चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने आगे कहा कि हम सबने विभिन्न समाचार पत्रों व चैनलों के माध्यम से देखा है कि ओसाका (जापान) में आयोजित वर्ल्ड एक्सपो 2025 के पहले दिन ही छत्तीसगढ़ पैवेलियन में 22 हजार से अधिक दर्शकों ने पहुँचकर प्रदेश की विरासत, उद्योग और पर्यटन की अनूठी झलक का अनुभव किया है। पवेलियन में छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि, औद्योगिक शक्ति और पर्यटन की संभावनाओं को सुंदर रूप से पिरोया गया था। यह वैश्विक दर्शकों को छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा और भविष्य की संभावनाओं से अवगत कराता है। यह केवल एक यात्रा मात्र नहीं था यह छत्तीसगढ़ के विकास की यात्रा थी। छत्तीसगढ़ चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सक्रिय प्रयासों से निवेशकों का विश्वास छत्तीसगढ़ पर लगातार मज़बूत हो रहा है। जापान के ओसाका में मुख्यमंत्री साय ने जापानी कंपनी सरताज फूड्स को 100 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया हैं। इस निवेश से न केवल रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि प्रदेश के किसानों की समृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त होगा। जब प्रदेश का किसान समृद्ध होगा तो सभी प्रकार का व्यापार-व्यवसाय भी समृद्ध होगा। इस यात्रा में एटीसीए और आईसीसीके के साथ मिलकर एक सार्थक कदम उठाया है। एक तरफ जहाँ एटीसीए ने छत्तीसगढ़ में बी-2-बी साझेदारी में रूचि दिखाई, वहीं दूसरी तरफ आईसीसीके के छत्तीसगढ़ का नॉलेज पार्टनर बना है। दक्षिण कोरिया की कंपनियों को ईवी चार्जिंग, रेलवे, मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के निवेश के लिए न्यौता दिया है। छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति 2024-30 के लागू होने से छत्तीसगढ़ में निवेश को लगातार प्रोत्साहन मिल रहा है। यह जानकारी चेंबर के महामंत्री अजय भसीन ने दी।

हाइवा में टकराकर बाईक सवार युवक की मौत तीन दिन पूर्व पिता बनने की खुशी मातम में तब्दील

रात्रि 8 बजे खुर्सीपार में मवेशी की वजह से हादसा

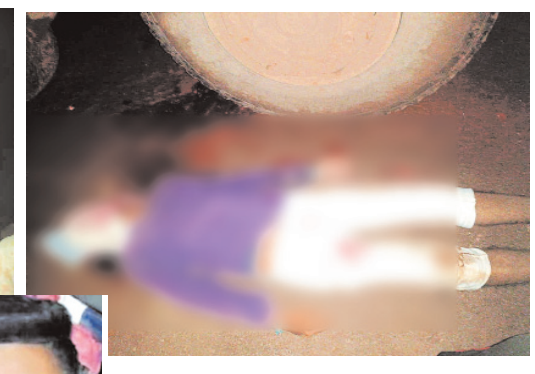

हाइवा से टकराकर युवक की मौत हुई है। हाइवा खुर्सीपार निवासी का है।

- जितेंद्र वर्मा, निरीक्षक

डोंगरगांव नगर। नगर से 8 किलोमीटर दूर ग्राम खुर्सीपार में रात्रि 8 बजे सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो युवक ग्राम के स्कूल के समीप मेनरोड में बैठे मवेशियों के झुंड के समीप आते ही हड़बड़ाते हुए किनारे में खड़े हाइवा में जा घुस गया। सिर फटने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई। इस दरम्यान ग्रामीणों की भीड़ से चक्काजाम की स्थिति निर्मित हो गई। पुलिस एवं पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक युवक देवेंद्र पिता अंजोरी यादव, 28 वर्ष, साकिन बघमार तीन दिनों पूर्व ही पिता बना था। नवजात की देखभाल के लिए युवक की सास ग्राम बघमार आई थी, जिसे रविवार को ही युवक डौंडी छोड़कर अकेले देर शाम बाइक से वापस बाघमार आ रहा था। इसी दरम्यान डोंगरगांव जेवरतला मार्ग स्थित खुर्सीपार के समीप आते ही स्कूल के पास सड़क में बैठे मवेशी लड़ाई करते हुए इधर उधर हो रहे थे, जिससे बाइक सवार युवक हड़बड़ाकर समीप ही खड़े हाइवा क्रमांक सीजी 13 एआर 3903 के सामने हिस्से के पहिये में टकराकर गिर गया। पहिये में टकराकर सिर फटने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने हाइवा को खुर्सीपार निवासी का ही बताया है। पुलिस ने दूसरे दिन पंचनामा व डोंगरगांव में पोस्टमार्टम उपरांत युवक का शव परिजनों को सौंप दिया। बहरहाल पुलिस घटना को लेकर विवेचना में जुट गई है।

तीन दिन पहले पिता बना मृतक

पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि युवक देवेंद्र यादव 3 दिनों पूर्व ही बेटी का पिता बना है। इसी के चलते उनकी सास नन्ही मेहमान के देखभाल के बगमार पहुंची थी। जिन्हें रविवार को युवक देवेंद्र डौंडी छोड़कर वापस आ रहा था। इसी दरमयान युवक दुर्घटना का शिकार हो गया। परिवार व ग्राम में मातम छा गया है।

शराब बेचने पर 25 हजार दंड, साबित करने पर 5 हजार इनाम, ग्रामीणों ने बैठक में शराबबंदी का लिया निर्णय

डोंगरगांव नगर। नगर के समीप ग्राम कोहका के ग्रामीणों ने गांव में शराब पर शिकंजा कसने अभिनव पहल किया है। पुलिस में बार बार शिकायत व कार्रवाई के बावजूद शराब बेचने वाले के खिलाफ आखिरकार ग्रामीणों ने एकजुटता दिखाते हुए अवैध शराब बिक्री बंद कराने ठान ली है। पुरुष एवं महिला ग्रामीणों ने दिनभर मैराथन बैठक कर शराब बेचने वाले को समझाईश देकर माफीनामा तैयार कर सख्त हिदायत देते हुए सख्त निर्णय पारित किया है। कोहका के सरपंच शरद वैष्णव, उपसरपंच नंदलाल कुम्भकार, रामकुमार पटेल, बीआर साहू, सदानंद सिन्हा, बैशाखू गणमान्यजन सहित लगभग 150 महिला व पुरुष ग्रामीणों ने मीडिया को बताया कि गांव में वराहों से अवैध शराब बिक्री हो रही थी। स्कूल, पंचायत भवन से लेकर समस्त शासकीय भवनों के समीप शराबखोरी चरम पर पहुंच चुकी थी। ग्राम के युवा व बुजुर्ग लगातार नैतिक पतन की ओर जा रहे थे।

पुलिस में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ शिकायत करके थक चुके थे। ग्रामीणों की माने तो शराब बेचने वाले पर आंशिक कार्रवाई के बाद शराब विक्रेता दोगुनी रफ्तार से शराब बेचता था। इससे महिलाओं को घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ता था। स्कूली बच्चे भी अनैतिक कृत्यों की ओर जा रहे थे। अंततः महिलाओं के सहयोग से ग्राम में मैराथन बैठक आयोजित कर शराब बेचने व शराबखोरी पर सख्त पाबंदी लगाई गई है। ग्राम के गणमान्यजनों के मुताबिक ग्राम समिति की बैठक में शराब बेचने वाले को 25 हजार आर्थिक दंड एवं बताने वाले को 5 हजार रुपये इनाम का निर्णय पारित हुआ है। पुर्व में शराब बेचने वाले द्वारा भी महिलाओं के समक्ष माफीनामा लिखकर दिये जाने की खबर है। बहरहाल इस निर्णय का सकारात्मक असर आसपास गांवों में भी होने के आसार हैं।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में आत्मानंद स्कूल हसदा के 10 खिलाड़ियों का चयन

बेमेतरा। 25वी राज्य स्तरीय रग्बी शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 3/09/2025 से 06/09/25 तक बलौदाबाजार में आयोजित किया गया है। बालोद में आयोजित क्षेत्रीय चयन प्रतियोगिता में अपने दमदार प्रदर्शन से बेमेतरा जिला का प्रतिनिधित्व करते हुए हसदा के सब जूनियर खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय रग्बी प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई क्षेत्रीय चयन प्रतियोगिता में जिसमें राजनांदगांव दुर्ग, बालोद, कवर्धा इन सभी जिलों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया था। इन सभी जिलों के खिलाड़ियों को मात देकर हसदा के खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में अपनी जगह सुनिश्चित की तथा बेमेतरा जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वामी आत्मानंद हिंदी/अंग्रेजी माध्यम स्कूल हसदा की सब जूनियर बालिकाओ ने बालोद को 10/0और वहीं दुर्ग को 15/0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जहां उसका मुकाबला राजनांदगांव की टीम से हुआ और मैच में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया लेकिन अंत में बेमेतरा जिले ने जीत हासिल की। एक बार फिर यहाँ खिलाडियों ने यह साबित कर दिया कि

पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद का जीवन मे विशेष महत्व है। खिलाडियों ने अपने गाँव हसदा अपने स्कूल तथा पूरे बेमेतरा जिले का नाम रोशन किया है।

सब जुनियर बालिका टीम में लावण्या कश्यान, डिंपल, दिशा, याचना, युगल, यामिनी, मुस्कान, दुर्गेश्वरी, आकांक्षा, थानेश्वरी, माया, लुकेश्वरी वही सब जूनियर बालक टीम इस प्रकार थी शिवम कश्यान, नारायण, आदित्य, भावेश, शुभम, कान्हा, तन्मय, लीलाधर, हिमांशु, चिन्मय, रूपेंद्र, देवेंद्र खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने में प्रमुख योगदान यहां के व्यायाम शिक्षक लोकेश्वर राव तथा रामेश्वरी साहू को जाता हैं। बलौदा बाजार में आयोजित राज्य स्तरीय रग्बी प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ियों की सूची में बालिका 14 वर्ष में लावण्या, डिंपल, युगल किशोरी याचना, मुस्कान इसी प्रकार बालक 14 वर्ष में दिपांशु, नारायण, शिवम, रूपेंद्र, आदित्य। चयनित खिलाड़ियों को स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी/हिंदी माध्यम के संस्था प्रमुख दुष्यंत कुमार परगनिहा तथा सभी शिक्षक शिक्षिकाएं तथा ग्राम हसदा के संध्या परगनिहा, बलिराम धिवर अध्यक्ष शाला विकास समिति, चंद्र शेखर परगनिहा सरपंच, ओम प्रकाश सिन्हा उपसरपंच आकाश वर्मा होमेश्वरी निर्मलकर दिलेश्वरी धीवर पंकज वर्मा, अभिषेक, दीपक, आदित्य, ताकेश्वर, कृष्णा बंछोर, दिलीप वर्मा, मानचंद निर्मलकर, संकुल समन्वयक दीपक आडिल ने विजयी खिलाडियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। यह जानकारी स्वामी आत्मानंद स्कूल हसदा बेमेतरा के व्यायाम शिक्षक लोकेश्वर राव ने दी।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद की जयंती मनाने 29 से 31 अगस्त तक राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया

दल्लीराजहरा। नगर पालिका परिषद दल्लीराजहरा में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद की जयंती मनाने तथा उत्कृष्टता, मित्रता और सम्मान जैसे ओलंपिक मूल्यों के अनुरुप फिटनेस एवं खेलों की संस्कृति को प्रोत्साहन देने के लिए नपा अध्यक्ष तोरण लाल साहू के मार्गदर्शन एवं सीएमओ भूपेंद्र वारडेकर के निर्देशन में 29 से 31 अगस्त तक राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत कार्यालय परिसर में मेजर ध्यान चंद के तैल्य चित्र की पूजा, अर्चना, माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया, साथ ही फिट इंडिया शपथ ली गई। विदित हो कि 29 से 31 अगस्त तक चलने वाले अभियान में नपा में विभिन्न गतिविधियों जैसे - खेल गतिविधि, नपा क्षेत्रांतर्गत जिले, राज्य, देश व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा का जौहर दिखा चुके खिलाड़ियों को सम्मान देना आदि शामिल है। इस अवसर पर उप अभियंता भानूप्रकाश घोष, स्वास्थ्य अधिकारी रामगोपाल चंद्राकर, जिला समन्वयक विक्रांत साहू, राजस्व विभाग, नपा के समस्त अधिकारी कर्मचारी सहित भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव अभियान की भी शुरुआत की गई।

जुआ खेलते 4 जुआडियानो से नगदी रकम 3,160 रूपये एवं 52 पत्ती तास जप्त

बेमेतरा। पुलिस अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गांजा, नशीली पदार्थो, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार वारंटीयों एवं सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत थाना खम्हरिया स्टाफ को जरिये मुखबीर से सूचना मिली कि गोडवाना भवन के पीछे थान खम्हरिया आम जगह पर कुछ जुआडियान 52 पत्ती ताश से रूपये पैसों का दांव लगाकर काट पत्ती नामक जुआ खेल रहे है कि सूचना पर थाना खम्हरिया पुलिस टीम पहुच कर सुचना के अधार पर रेड कार्यवाही किया गया, रेड कार्यवाही के दौरान कुछ लोग पुलिस को आते देखकर भाग निकले मौके पर जुआडियान पकडे गये। जिसमें थाना खम्हरिया में 01 प्रकरण दर्ज कर 04 जुआडियानो दामेन्द्र सिनहा उम्र 20 वर्ष, गुलशन सिन्हा उम्र 20 वर्ष, नितिन सिन्हा उम्र 21 वर्ष, ललित सिंह उम्र 52 वर्ष, सभी निवासी खम्हरिया थाना खम्हरिया जिला बेमेतरा के विरूद्ध धारा 3(2) छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषध) अधिनियम 2022 के तहत कार्यावाही की गई हैं। जुआडियों के पास एवं फड से कुल जुमला नगदी 3,160/- रूपये एवं 52 पत्ती तास को जप्त कर कार्यवाही किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी खम्हरिया सहायक उप निरीक्षक द्वारिका प्रसाद देशलहरे, प्रधान आरक्षक विनोद पात्रे, आरक्षक मुकेश सिंह, सौरभ सिंह, अशरुफी खान, भूषण राजपूत, लेखराम सिन्हा सहित समस्त थाना खम्हरिया स्टाफ का सराहनीय भुमिका रही।

साय के सुशासन मे एक नई ऐतिहासिक पहल 'दीदी के गोठ' रेडियो कार्यक्रम के रूप में की गई

दल्लीराजहरा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में छत्तीसगढ़ की महिलाओं को आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की दिशा में प्रेरित करने के लिए एक नई ऐतिहासिक पहल 'दीदी के गोठ' रेडियो कार्यक्रम के रूप में की गई है। दीदी के गोठ' रेडियो कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भारत सरकार के केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज चौहान और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने प्रेरणादायी संदेश प्रेषित किए। उन्होंने महिलाओं के आत्मविश्वास और मेहनत से प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में आए सकारात्मक बदलाव को रेखांकित करते हुए कहा कि 'दीदी के गोठ' जैसी पहल महिलाओं की आवाज़ को घर-घर तक पहुँचाएगी। कार्यक्रम में बिहान की दीदियों की कहानी उन्हीं की जुबानी भी सुनाई गई। कार्यक्रम का प्रसारण जिला पंचायत सहित जिले के सभी विकासखण्ड मुख्यालयों और ग्राम पंचायतों में भी किया गया। जिला पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष तोमन साहू, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहायक परियोजना अधिकारी नितेश साहू सहित बड़ी संख्या में बिहान से जुड़ी महिलाएं उपस्थित थी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने आकाशवाणी रायपुर केंद्र से प्रसारित दीदी के गोठ कार्यक्रम को देखा व सुना। उल्लेखनीय है कि दीदी के गोठ कार्यक्रम का उददेश्य महिलाओं की आवाज को पूरे समाज तक पहुँचाना, उनके संघर्ष और उपलब्धियों को सामने लाना तथा उन्हें शासन की योजनाओं से जोड़कर सकारात्मक परिवर्तन की राह दिखाना है। कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों की सफल महिलाओं की कहानियाँ सुनाई गई, कैसे उन्होंने संघर्ष और कठिनाइयों को पार कर अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से न सिर्फ आर्थिक रूप से मजबूती हासिल की, बल्कि समाज में भी एक नई पहचान बनाई। छत्तीसगढ़ की लाखों महिलाएँ लखपति दीदी बन चुकी हैं। उनका जीवन बिहान योजना से सकारात्मक रूप से बदला है। इनकी प्रेरणादायी कहानियाँ रेडियो की आवाज के माध्यम से हर गाँव और हर घर तक पहुँचेंगी, ताकि अन्य महिलाएँ भी आत्मनिर्भरता की राह पकड़ सकें।

खेल जगत में अमिट छाप छोड़ने वाले खेल शिक्षक पी.एस. राजपूत हुए सेवानिवृत्त

बेमेतरा। शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल (वर्तमान स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम) बेमेतरा में 32 वर्षों तक अपनी सेवाएं देने वाले खेल शिक्षक पी.एस. राजपूत ने 31 अगस्त को अपनी अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण कर शासकीय सेवा से सेवानिवृत्ति प्राप्त की। इस अवसर पर दुर्ग संभाग के संयुक्त संचालक हेमंत उपाध्याय ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके योगदान की सराहना की और उनके लिए दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की मंगलकामनाएं दीं। राजपूत ने अपने कार्यकाल के दौरान बेमेतरा जिले के खेल पन्नों पर अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने न केवल विद्यालय स्तर पर बल्कि जिला व राज्य स्तर तक अनेक खिलाड़ियों को निखारकर खेल जगत में आगे बढ़ाया। छत्तीसगढ़ के व्यायाम शिक्षकों ने भी उनके समर्पण और योगदान को अनुकरणीय बताया और कहा कि राजपूत सर आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत रहेंगे। जिले के शिक्षकों और खिलाड़ियों के बीच उनके सेवानिवृत्ति अवसर पर भावुक माहौल देखने को मिला।

संक्षिप्त समाचार

भूपेश बघेल के बयान पर अजय चंद्राकर का करारा जवाब, कांग्रेस पर साधा हमला

रायपुर। आरएनएस प्रमुख मोहन भागवत के तीन बच्चों की सलाह पर भूपेश बघेल द्वारा दिए गए बयान के बाद भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। चंद्राकर ने कहा कि यह हर व्यक्ति का व्यक्तिगत विचार है और कांग्रेस को अब छत्तीसगढ़ के असली मुद्दों से भटकने की आदत हो गई है। कांग्रेस के 14 मंत्रियों पर सवाल, हरियाणा का उदाहरण दिया चंद्राकर ने कांग्रेस द्वारा 14 मंत्रियों के गठन को लेकर हाई कोर्ट जाने पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पूछा कि जब हरियाणा में भी 14 मंत्री बनाए गए थे, तो कांग्रेस ने क्यों चुप्पी साधी थी? सीएम साय की विदेश यात्रा पर अजय चंद्राकर का बयान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विदेश यात्रा को लेकर चंद्राकर ने कहा कि यह यात्रा छत्तीसगढ़ के औद्योगिक क्षेत्र में विकास लाने के लिए महत्वपूर्ण होगी, और इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने जापान का उदाहरण दिया, जो छोटे आकार के बावजूद अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए जाना जाता है।

नहर में मिली नाबालिग लड़की की लाश

रायपुर। राजधानी रायपुर के मुजगहन थानाक्षेत्र स्थित जुलुम गांव में एक नाबालिग लड़की का शव नहर में तैरता हुआ मिला है। पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकल पंचनामा कार्यवाही कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान 17 साल की प्रिया साहू के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को मुजगहन थाना पुलिस को सूचना मिली कि जुलुम गांव के नहर में एक लड़की की लाश मिली है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लड़की के शव को बाहर निकाला तथा पुछताछ में मृतका की पहचान 17 साल 7 महीने की प्रिया साहू के रूप में की गई है। प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि युवती की मौत हादसे में हुई है या फ्रि किसी अन्य कारण से। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आएगी। फ्लिहाल पुलिस मामले को गंभीरता से जांच कर रही है।

अनियंत्रित होकर पलटा पेट्रोल से भरा टैंकर

रायपुर। बलौदाबाजार जिले के ओडान सेमरिया गांव में पेट्रोल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया, जिसके बाद उसमें भीषण आग लग गई। देखते ही देखते टैंकर आग के गोले में बदल गया और जोरदार ब्लास्ट हो गया। मिली जानकारी के अनुसार एक पेट्रोल टैंकर बड़ी मात्रा में पेट्रोल भरकर रायपुर से लवन की ओर जा रहा था। इसी बीच सेमरिया गांव के पास बाईक चालक को बचाने के चक्कर में टैंकर का संतुलन बिगड़ने से पलट गया, जिसके कारण चिंगारी उठते ही उसमें आग लग गई। घटना के बाद आसपास के इलाके में अफ्ररा-तफ्ररी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पलारी और गिधपुरी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और आग की चपेट में आने से लोगों को बचाने के लिए उन्हें सुरक्षित दूरी पर रोका। जिसके बाद दमकल विभाग को बुलाया गया और आग पर काबू पाने का कार्य शुरू किया गया।

मौसम साफ गणेश की आकर्षक प्रतिमाएं और झांकी देखने उमड़े लोग

रायपुर। राजधानी में मौसम खुलते ही अब भक्तों द्वारा गणेश प्रतिमाओं एवं आकर्षक झांकियों को देखने के लिए भीड़ उमड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार मौसम आगामी कुछ दिनों में साफ रहेगा। राजधानी में इस समय गुढ़ियारी, राठौर चौक, गोल बाजार, समता कालोनी, लाखेनगर, पुरानी बस्ती सहित सौ से अधिक स्थानों पर आकर्षक गणेश प्रतिमाएं रखी गई है। जीई रोड में इस समय बाल स्वरूप गणेश की प्रतिमाएं आकर्षण का केंद्र बिंदू बनी हुई है। समता कालोनी में भगवान गणेश को कृष्ण तथा उनके मित्र सुदामा की झांकी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। समता कालोनी गणेश उत्सव समिति द्वारा भगवान गणेश को बांसुरी बजाते हुए दिखाया गया है उनके साथ राधा स्वरूप रिद्धि माता है। वहीं अग्रसेन चौक में भी काफी भीड़ लग रही है। आज शनिवार एवं कल रविवार छुट्टी होने के कारण भक्त बड़ी संख्या में निकल रहे है।

दो तेज रफ्तार कारों ने एम्बुलेंस को मारी जोरदार टक्कर

रायपुर। राजधानी रायपुर के लाभांडी चौक के पास तेज रफ्तार में चल रही दो कारों ने एक एम्बुलेंस को जोरदार टक्कर मार दी। इसे हादसे एम्बुलेंस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और एम्बुलेंस सवार दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। मामला तेलीबांधा थानाक्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार घटना दोपहर 2 बजे की है। जब दो तेज रफ्तार कार रेस करती हुईं लाभांडी चौक की ओर बढ़ रही थीं। इसी दौरान सामने से आ रही एम्बुलेंस उनकी चपेट में आ गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एम्बुलेंस का आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

दंतेवाड़ा सहित सुकमा,बीजापुर और बस्तर जिलों के उच्चाधिकारियों की बैठक

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बाढ़ राहत कार्यों की समीक्षा की......

■ स्थिति सामान्य होने तक अधिकारियों को मुस्तैद रहकर जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

दंतेवाड़ा सहित सुकमा, बीजापुर और बस्तर जिलों के उच्चाधिकारियों की बैठक:स्थिति सामान्य होने तक अधिकारियों को मुस्तैद रहकर जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज दंतेवाड़ा जिले के प्रवास के दौरान जिला कार्यालय के डंकनी सभाकक्ष में बाढ़, आपदा एवं राहत कार्यों की समीक्षा की। इस बैठक में दंतेवाड़ा के अलावा बस्तर संभाग के सुकमा, बीजापुर और बस्तर जिलों के कलेक्टर एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंकराम वर्मा, वन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप, बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप, क्षेत्रीय विधायक श्री चैतराम अटामी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नंदलाल मुड़ामी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने विगत 26 एवं 27 अगस्त को हुई अतिवृष्टि से हुई हानि तथा प्रशासन द्वारा चलाए गए राहत कार्यों की जानकारी बैठक के माध्यम से ली। उन्होंने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रशासनिक अमलों द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई, जो सराहनीय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों से हुई चर्चा से यह स्पष्ट हुआ कि प्रशासनिक तत्परता एवं त्वरित कार्रवाई से वे संतुष्ट हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बीते माह आई इस प्राकृतिक आपदा और विभीषिका से जो जन-धन एवं अधोसंरचना की क्षति हुई है, वह अपूरणीय है। यह संतोष की बात है कि जिला प्रशासन द्वारा फौरी तौर पर बचाव एवं राहत कार्य के लिए कदम उठाए गए। साथ ही शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक दिन का वेतन दान स्वरूप दिया, जो अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आई बाढ़ आपदा से चारों जिलों में 115 करोड़ रुपये की विभिन्न अधोसंरचनाओं को क्षति हुई है। इनकी मरम्मत के लिए राज्य शासन द्वारा हर संभव सहयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने गैर-शासकीय एवं स्वैच्छिक संगठनों के कार्यों की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि चारों जिलों में स्थिति सामान्य होने तक राहत एवं स्वास्थ्य शिविर आवश्यकतानुसार जारी रखें। उन्होंने कहा कि प्रशासन निरंतर प्रभावितों के संपर्क में रहे और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सतत जारी रखे। इसके लिए लगातार कैंप लगाकर ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की जाए तथा उन्हें समसामयिक सलाह देते हुए आवश्यक दवाएं और स्वास्थ्य सेवाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टरों को राहत राशि अविलंब जारी करने के भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह ने निर्देशित किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित न होने पाए।

राज्य स्तरीय रोजगार मेला 9 से 10 अक्टूबर को रायपुर राजधानी में

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार के रोजगार एवं प्रशिक्षण संचालनालय रायपुर द्वारा राज्य स्तरीय रोजगार मेला रायपुर में आगामी 9 और 10 अक्टूबर 2025 को आयोजन किया जाएगा। इस मेले में शामिल होने के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। विभागीय मंत्री श्री गुरू खुशवंत साहेब ने युवाओं से अपील की है कि वे समय रहते ऑनलाइन पंजीयन अवश्य कराएँ और इस राज्य स्तरीय रोजगार मेले का लाभ उठाएँ। राज्य स्तरीय रोजगार मेले में जिंदल स्टील रायपुर, एयरटेल पेमेंट बैंक, ऑटो सेंटर बिलासपुर, राजस्थान कपड़ा मिल, सतलज कपड़ा इंडस्ट्री में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। इसी प्रकार रिलायंस निप्पोन, रुद्र इंटरप्राइज, शांता टेक्नो, सन ब्राइट, ट्रेडमेन गारमेंट्स, कॉसमॉस मैनपावर, जीनियस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर, हाईक एजुकेशन, आइकॉन सोलर, न्यू लाइफ, पीएचडीए ग्लोबल सॉल्यूशन सहित अनेक प्रतिष्ठित निजी कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध है। रोजगार मेला में अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता पाँचवीं पास से लेकर आईटीआई, स्नातक एवं उच्च शिक्षा प्राप्त अभ्यर्थियों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे। चयनित अभ्यर्थियों को प्रतिमाह 8 हजार से 40 हजार रुपये तक का वेतनमान प्रदान किया जाएगा। उपलब्ध पदों में वितरक बॉय, बैंक सहायक, फार्मासिस्ट, मशीन ऑपरेटर, बिक्री सलाहकार, ड्राइवर के पद शामिल हैं। इसी प्रकार ट्रेनी ऑपरेटर, सहायक, सिलाई ऑपरेटर, इंजीनियर, एक्स-रे एवं लैब टेक्नीशियन, वार्ड बॉय, टेलीकॉलर, कलेक्शन ऑफिसर, इलेक्ट्रीशियन, टर्नर, फ़िटर, वेल्डर, सुरक्षा गार्ड, बीमा सलाहकार, सुपरवाइजर, हाउसकीपिंग स्टाफ, कंप्यूटर ऑपरेटर, कृषि अधिकारी, फील्ड ऑफिसर, डॉक्टर और ग्राहक सेवा कर्मचारी शामिल हैं।

एक ही छत के नीचे शासकीय कर्मियों को इलाज मिलना सुशासन का नया मॉडल......

■ प्रोजेक्ट छांव के तहत साढ़े छह हजार से अधिक शासकीय सेवकों को मिला लाभ- कलेक्टर डॉ. गौरव

■ एक हजार से अधिक शासकीय सेवकों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

रायपुर। संवाददाता

राजधानी रायपुर में प्रोजेक्ट छांव शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सेहत के लिए वरदान साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर शुरू प्रोजेक्ट छांव से शासकीय सेवकों के स्वास्थ्य का परीक्षण कर नि:शुल्क दवाईयां उपलब्ध कराई जा रही है। इंडोर स्टेडियम में रविवार को आयोजित प्रोजेक्ट छांव में शामिल मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत ने कहा कि रायपुर जिले के नवाचार प्रोजेक्ट छांव का शासकीय कर्मियों को लाभ मिल रहा है। एक ही छत के नीचे शासकीय कर्मियों को इलाज मिलना सुशासन का नया मॉडल तैयार हुआ है। भगत ने कहा कि मेमोग्राफी का लाभ भी महिला कर्मचारियों को मिल रहा है। सभी प्रकार के टेस्ट की सुविधा यहां मिल रही है, यह सबसे अच्छी बात है। भगत ने कहा कि ऐसे प्रोजेक्ट को भविष्य में अन्य जिलों में शुरू किया जा सकेगा, ताकि कर्मियों को अधिक से अधिक लाभ दिलाया जा सके और उनके परिवारजनों को भी स्वास्थ्य परीक्षण भी समय-समय पर मिलता रहें। साथ ही भगत ने जिला प्रशासन रायपुर द्वारा चलाई जा रहे नवाचार प्रोजेक्टों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रायपुर जिले के नवाचार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रदेशभर में इन प्रोजेक्टों को शुरू करने पर मंथन किया जाएगा।

शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव से ओमप्रकाश सेन ने की सौजन्य भेंट

युवाओं को पढ़ाया भूगोल का पाठ

प्रोजेक्ट अनुभव के तहत शिक्षक की भूमिका में दिखे कलेक्टर......

■ तीन घंटों तक कलेक्टर ने ली प्रतियोगी परीक्षा के विद्यार्थियों की मैराथन क्लास

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा जिले में प्रोजेक्ट अनुभव की शुरुआत हुई। इसके तहत आज योग भवन, फुंडहर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए विशेष अध्यापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने स्वयं शिक्षक की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को भूगोल विषय पढ़ाया। उन्होंने चित्र के माध्यम से युवाओं को विस्तृत जानकारी दी। डॉ. सिंह ने यूपीएससी एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले महत्वपूर्ण प्रश्नों पर चर्चा की और गंगा, सिंधु, चंबल, यमुना, कावेरी, महानदी, इंद्रावती जैसी प्रमुख नदियों के साथ ही उनकी सहायक नदी, तट पर बड़े शहर, उद्योग की दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक महत्ता पर विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर ने प्रश्न भी पूछे जैसे तर्रीघाट कहा है क्यों प्रसिद्ध है, खूंटाघाट परियोजना किस नदी पर स्थित है आदि।

महंगाई राहत के आदेश देरी से पेंशनर्स चिंतित न हो आदेश देर सबेर जरूर होंगेः नामदेव

रायपुर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने यूनियन कार्यालय रायपुर में 30 अगस्त को आयोजित पेंशनरों की मासिक बैठक में उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में पेंशनरों के लिए राज्य सरकार द्वारा 1 जनवरी 25 से लंबित 2 प्रतिशत महंगाई राहत (डीआर) के आदेश जारी करने में हो रही विलम्ब को लेकर पेंशनर्स चिंतित न हो। आदेश देर सबेर जरूर होंगे और अक्टूबर माह के पेंशन के साथ जुड़कर मिलेंगे, यह निश्चित है।चूंकि इस बारे में कर्मचारियों के लिए मंहगाई भत्ता (डीए) के हाल ही में 25 अगस्त 25 को बिना एरियर के आदेश जारी कर केन्द्र सरकार के बराबर 55त्न प्रतिशत कर दिया है । जिसका भुगतान अक्टूबर 25 के वेतन में जोड़कर दिया जाएगा।आगे उन्होंने कहा कि चिन्ता का विषय यह कि कर्मचारियों हेतु जारी आदेश में सरकार ने पहले की तरह एरियर नहीं दिया है और जनवरी 25 से अब तक 8 माह का एरियर राशि हजम कर लिया है। ज्ञात हो कि सरकार कर्मचारियों के समान ही पेंशनरों के लिए भी आदेश जारी करता है।

हिमालय अभियान पर निकली जशपुर की टीम

रायपुर। संवाददाता

जशपुर जिले से एक विशेष पर्वतारोही दल हिमालय अभियान के लिए रवाना हुआ है। इस दल में जिले के युवा पर्वतारोही रवि सिंह, सुतेजल भगत, रूसनाथ भगत, सचिन कुजुर एवं प्रतीक नायक शामिल हैं। यह अभियान केवल एक खेल गतिविधि नहीं, बल्कि जशपुर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, प्रकृति-आधारित जीवनशैली और सामूहिकता की भावना को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का एक अवसर भी है। यह अभियान प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है। पर्वतारोही दल जशपुर से रांची रवाना हुआ, जहाँ से वे ट्रेन द्वारा दिल्ली पहुँचेंगे। दिल्ली से टीम हिमाचल प्रदेश के जगतसुख के लिए प्रस्थान करेगी। दल 4 सितंबर तक आवश्यक प्रक्रियाएँ पूरी करेगा तथा 5 सितंबर को बेस कैम्प जाएगा। दल को रवाना करने के अवसर पर जशपुर के कलेक्टर रोहित व्यास, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विश्वास मस्के उपस्थित थे। अधिकारियों ने दल को शुभकामनाएँ प्रदान करते हुए उनके सुरक्षित एवं सफल अभियान की कामना की। कलेक्टर व्यास ने कहा कि जशपुर की युवा प्रतिभाएँ इस अभियान के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। वहीं वनमंडलाधिकारी शशि कुमार ने इसे जिले में खेल और साहसिक गतिविधियों की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया।

रायपुर जिले की आंगनबाड़ी सेवाओं की ली समीक्षा बैठक

महिलाओं और बच्चों को मिले आंगनबाड़ी की सभी सेवाओं का लाभ

■ सेवाओं में पारदर्शिता और गुणवत्ता पर विशेष जोर गड़बड़ी पर होगी सख्त कार्रवाई

रायपुर/ संवाददाता

महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने आज इंद्रावती भवन, रायपुर में विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा बैठक ली। बैठक में रायपुर जिले की आंगनबाड़ी सेवाओं, विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति, टेक होम राशन वितरण की स्थिति तथा पोषण अभियान की गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की। सचिव श्रीमती आबिदी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि रायपुर के जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी तथा क्षेत्रीय स्तर के अधिकारी नियमित रूप से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करें और वास्तविक स्थिति का आंकलन कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि निरीक्षण केवल औपचारिकता न होकर, सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और हितग्राहियों तक योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंचाने का माध्यम होना चाहिए। बैठक में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना और महतारी वंदन योजना पर भी विशेष बल दिया गया। सचिव ने निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। महतारी वंदन योजना में हितग्राहियों के घर-घर जाकर सर्वे करें। जिन मामलों में लाभार्थी पते पर उपलब्ध नहीं हैं, दस्तावेज अधूरे हैं या हितग्राही की मृत्यु हो चुकी है, उनकी जानकारी तत्काल सत्यापित कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सुपरवाइजर, सीडीपीओ और डीपीओ पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती आबिदी ने टेक होम राशन (ञ्ज।ॅक्र) के वितरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों गर्भवती एवं धात्री माताओं और कुपोषित बच्चों को समय पर, गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित मात्रा में टेक होम राशन उपलब्ध कराना आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। राशन वितरण और एंट्री में किसी भी प्रकार की अनियमितता की शिकायत मिलने पर संबंधित पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बालिकाओं, शिशुवती महिलाओं और गर्भवती माताओं में एनीमिया की समस्या को रोकने के लिए पोषणयुक्त आहार पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी और सामुदायिक स्तर पर जागरूक करने एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से हरी सब्जियों, सहजन (मोरिंगा), गुड़, तिल, चना और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य वस्तुओं के सेवन के लिए प्रोत्साहित करें। सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी ने पोषण ट्रैकर ऐप का सही उपयोग करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नियमित गृहभेट करें और समय पर ऑनलाइन एंट्री करें। उन्होंने बताया कि 01 सितंबर से राष्ट्रीय पोषण अभियान की शुरुआत हो चुकी है, जिसके अंतर्गत प्रदेशभर में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी हैं ताकि समुदाय में कुपोषण के प्रति जागरूकता बढ़े और पोषण स्तर में सुधार हो। सचिव श्रीमती आबिदी ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में कुपोषण रोकने के लिए मिशन मोड में काम किया जाए ताकि कोई भी बच्चा कुपोषित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं और सेवाओं का उद्देश्य तभी पूरा होगा जब बच्चों, माताओं और किशोरियों को कुपोषण और एनीमिया से मुक्त स्वस्थ जीवन मिल सके।

संपादकीय

इन्फ्लुएंसर्स को सुप्रीम चेतावनी

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के कंटेंट से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने जो कुछ कहा है, उसे बहुत सावधानी से लेने की जरूरत है। समय रैना समेत पांच सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की टिप्पणियों को दिव्यांगों की गरिमा के खिलाफ पाया गया है।इंटरनेट सेंसेशन के इस दौर में जब अपने कंटेंट को वायरल बनाने की इच्छा सब पर हावी होती दिख रही है, इस केस ने यह ध्यान दिलाया है कि हर दूसरे अधिकार की तरह अभिव्यक्ति की आजादी भी अपने साथ जिम्मेदारी लेकर आती है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में ठीक ही बेहद सख्त रुख दिखाते हुए कहा कि किसी को भी दूसरों पर, खासकर दिव्यांगों, बीमारों, जैसे कमजोर तबकों पर हंसने की छूट नहीं दी जा सकती। अदालत का यह मानक भी तर्कसंगत कहा जाएगा कि प्रायश्चित के तौर पर की जाने वाली क्षतिपूर्ति होने वाले नुकसान के मुकाबले ज्यादा होनी चाहिए।इसमें दो राय नहीं कि ऑनलाइन कंटेंट से जुड़े मामलों के लिए सरकार की ओर से गाइडलाइन होनी चाहिए। इस सिलसिले में अटॉर्नी जनरल की तरफ से बताया गया कि सभी स्टेकहोल्डर्स से बातचीत की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। लेकिन कोर्ट ने भी माना कि इस तरह की कोई भी गाइडलाइन किसी खास केस की प्रतिक्रिया में आनन-फानन तैयार नहीं की जा सकती और न ही ऐसा किया जाना चाहिए। यह कार्य न केवल मौजूदा परिस्थिति और इससे जुड़े तमाम पहलुओं का बल्कि आने वाले दौर की चुनौतियों का भी ध्यान रखते हुए करना होगा।सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से यह सवाल भी सामने आया कि क्या अभिव्यक्ति की आजादी को कमर्शल और नॉन कमर्शल जैसी दो श्रेणियों में बांटकर देखा जा सकता है। ध्यान रहे, संविधान की ओर से सभी नागरिकों को अभिव्यक्ति का एक जैसा अधिकार दिया गया है। इसके साथ जुड़ी पाबंदियां भी सबके लिए समान हैं। यहां तक कि मीडिया या मीडियाकर्मियों को भी अलग से कोई अधिकार नहीं दिया गया है। ऐसे में इस पर विचार करना होगा कि क्या किसी की अभिव्यक्ति को इस आधार पर अलग तरह से देखा जाना चाहिए कि वह कमर्शल कंटेंट की श्रेणी में आता है या नहीं।पिछली सुनवाई की रोशनी में देखा जाए तो स्पष्ट हो जाता है कि इस मामले में अनुच्छेद 19 के तहत मिले अभिव्यक्ति के अधिकार और अनुच्छेद 21 के तहत मिले गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार दोनों पर विचार करना है। जाहिर है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि शीर्ष अदालत कैसे दोनों के बीच संतुलन साधते हुए आगे बढ़ती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष पर दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित वार्षिक व्याख्यानमाला केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। संघ सरचालक मोहन भागवत ने इन व्याख्यानों में जिस स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, उन्होंने संघ की विचारधारा के प्रति व्याप्त भ्रांतियों का निवारण करने के साथ-साथ भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था।

विश्वगुरु बनने की नई इबारत लिखता भागवत का उद्बोधन

(ललित गर्ग)

हिंदुत्व को लेकर जो भ्रांतियाँ फैलाई जाती रही हैं, उन्हें भी भागवत ने तार्किक ढंग से दूर किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व किसी संकीर्ण परिभाषा का नाम नहीं है। यह कोई धर्म विशेष की पूजा-पद्धति या संप्रदाय नहीं है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष पर दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित वार्षिक व्याख्यानमाला केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। संघ सरचालक मोहन भागवत ने इन व्याख्यानों में जिस स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, उन्होंने संघ की विचारधारा के प्रति व्याप्त भ्रांतियों का निवारण करने के साथ-साथ भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है,नए मनुष्य का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

हिंदुत्व को लेकर जो भ्रांतियाँ फैलाई जाती रही हैं, उन्हें भी भागवत ने तार्किक ढंग से दूर किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व किसी संकीर्ण परिभाषा का नाम नहीं है। यह कोई धर्म विशेष की पूजा-पद्धति या संप्रदाय नहीं है। हिंदुत्व भारतीय जीवन दृष्टि है, वह व्यापक सांस्कृतिक धारा है, जिसमें करुणा, समरसता, सेवा, अहिंसा, सत्य और आत्मानुभूति का सम्मिलन है। हिंदुत्व सबको जोड़ता है, किसी को अलग नहीं करता। यह भारत की आत्मा है और इसी आत्मा के बल पर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्राप्त हो सकती है। इस स्पष्ट व्याख्या ने उस संदेह को भी दूर किया कि संघ का हिंदुत्व राजनीतिक या सत्ता प्राप्ति का साधन है। वास्तव में यह संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में बांधने वाली दृष्टि है, जिसमें भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं है। दूसरे दिन के वक्तव्य में भागवत ने और गहराई से विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने पंचकर्म की चर्चा करते हुए कहा कि जैसे आयुर्वेद में पंचकर्म शरीर की शुद्धि का साधन है, वैसे ही समाज की शुद्धि और पुनर्निर्माण के लिए भी पंचकर्म आवश्यक है। उन्होंने पांच आयाम बताए- चरित्र निर्माण, संगठन निर्माण, समरसता, गरीब का उत्थान और आध्यात्मिक जागरण। यह पांचों पहलू किसी भी समाज के स्थायी स्वास्थ्य और विकास के आधार हैं। केवल राजनीतिक सुधार या आर्थिक प्रगति से राष्ट्र महान नहीं बनता, बल्कि तब बनता है जब व्यक्ति का चरित्र शुद्ध हो, समाज संगठित हो, उसमें समरसता हो, कमजोर वर्ग को उत्थान मिले और राष्ट्र का जीवन उच्च आध्यात्मिक मूल्यों से संपन्न हो।

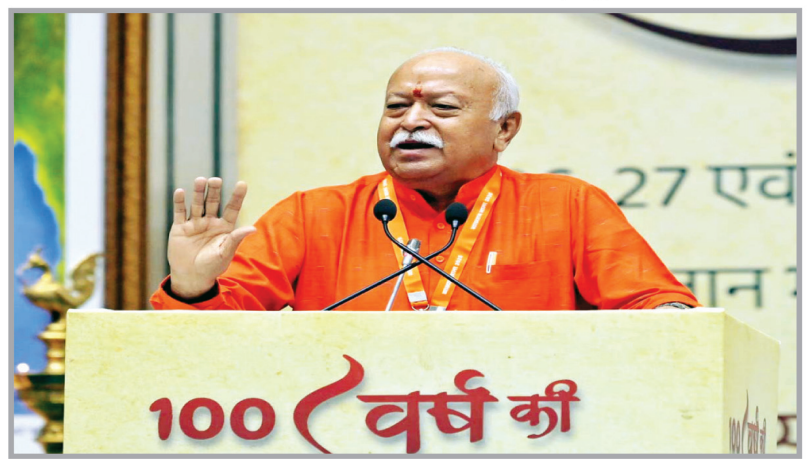

विशेष रूप से गरीब आदमी के उत्थान पर भागवत का जोर उल्लेखनीय था। उन्होंने कहा कि भारत तभी सशक्त होगा जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर पहुंचे। यह विचार महात्मा गांधी के 'अंत्योदय', विनोबा भावे के 'सर्वोदय' और दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' की पुनर्स्मृति कराता है। आधुनिक भारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विकास के लाभ समाज के सभी तबकों तक समान रूप से नहीं पहुंचते। अमीर-गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। यदि इस खाई को नहीं भरा गया, तो राष्ट्र की प्रगति अधूरी रह जाएगी। भागवत का दृष्टिकोण यह है कि राष्ट्र तभी महान बन सकता है जब उसका सबसे कमजोर नागरिक भी गरिमा और सम्मान के साथ जीवन जी सके। धर्मों की एकता पर उनका दृष्टिकोण भी उतना ही महत्वपूर्ण था। भारत का इतिहास यही बताता है कि यहां विविधता में एकता की परंपरा रही है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन- सभी धर्म इस भूमि पर फले-फूले हैं और सभी का मूल संदेश करुणा, सेवा और मानवता रहा है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब धर्म को सत्ता की राजनीति से जोड़ा जाता है। भागवत का कहना था कि यदि हम धर्मों के मूल्यों को देखें तो उनमें कोई टकराव नहीं है। सबका आधार प्रेम, सत्य और सेवा है। यही साझा आधार भारत को एक ऐसा समाज बनाने में सक्षम है, जो विश्व के लिए अनुकरणीय हो।

भागवत के विचार निश्चित रूप से भारत की सांस्कृतिक परंपरा और संघ की कार्यप्रणाली को नई स्पष्टता देते हैं, लेकिन यहां यह प्रश्न भी उठता है कि इन विचारों को व्यवहार में उतारने की राह कितनी सरल है? समाज की जटिलताओं, जातीय और धार्मिक तनावों, राजनीतिक स्वार्थों और आर्थिक विषमताओं के बीच नया मनुष्य बनाना एक दीर्घकालिक साधना है। आलोचक कहते हैं कि संघ के पास विचार तो हैं, लेकिन उनकी जड़ें अभी तक समाज के सभी वर्गों तक गहराई से नहीं पहुँची हैं।

विशेषकर अल्पसंख्यक समुदायों में संघ के प्रति संदेह आज भी विद्यमान है। इसलिए केवल वक्तव्यों से नहीं, बल्कि ठोस और पारदर्शी कार्यों से यह भरोसा पैदा करना होगा कि संघ का हिंदुत्व वास्तव में सर्वसमावेशी है। इसी तरह गरीब के उत्थान और धर्मों की एकता की बातें विचारणीय हैं, किंतु यह भी देखना होगा कि क्या संघ और उससे जुड़े संगठन इस दिशा में ठोस योजनाएं और परिणाम दे पा रहे हैं? आलोचक यह प्रश्न उठाते हैं कि विकास की मुख्यधारा में गरीबों की स्थिति सुधारने में सामाजिक संगठनों से अधिक भूमिका सरकार की रही है। अतः यदि संघ इन बिंदुओं को अपनी कार्ययोजना का मूल बनाए, तो उसे केवल नैतिक आह्वान से आगे बढ़कर व्यावहारिक नीतियां और कार्यक्रम तैयार करने होंगे। तभी यह दृष्टि प्रभावी सिद्ध होगी और भारत सचमुच उस दिशा में बढ़ सकेगा, जिसकी परिकल्पना व्याख्यानमाला में की गई।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की यह व्याख्यानमाला केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है-नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो यह संकल्प पूरे समाज का होना चाहिए।

संघ को लेकर लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि उसकी विचारधारा संकीर्ण है, वह केवल बहुसंख्यक समाज का प्रतिनिधित्व करता है, उसमें अल्पसंख्यकों के लिए कोई स्थान नहीं है। भागवत के इन वक्तव्यों ने यह स्पष्ट कर दिया कि संघ का दृष्टिकोण न तो संकीर्ण है और न ही बहिष्कृत करने वाला। संघ का हिंदुत्व सर्वसमावेशी है, जिसमें सभी धर्म और सभी आस्थाएं स्थान पा सकती हैं।

इसका उद्देश्य सत्ता की राजनीति नहीं, बल्कि समाज का नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्निर्माण है। संघ की शताब्दी का यह अवसर इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज भारत का भविष्य एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर आर्थिक प्रगति, तकनीकी उपलब्धियां और वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा है, तो दूसरी ओर आंतरिक चुनौतियां भी हैं-सामाजिक असमानता, जातीय तनाव, धार्मिक विद्वेष और मूल्यहीन राजनीति।

नेपाल में नए नक्शे को लेकर निशाने पर ओली सरकार

कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि नए मानचित्र के बारे में न केवल पड़ोसी देशों, बल्कि संयुक्त राष्ट्र को भी औपचारिक जानकारी न देना नेपाल की खुद की कमजोरी है। उनके मुताबिक, किसी भी देश को अपने मानचित्र में बदलावों के बारे में संबंधित पक्षों को सूचित करना होता है।

(पुष्परंजन)

नेपाल इस बार भारत से कम और चीन से ज्यादा नाराज है। दरअसल, चीन ने उस नक्शे को मान्यता दी है, जिसमें लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को भारत का हिस्सा माना गया है।

जाहिर है, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से नेपाल का विपक्ष सवाल कर रहा है कि आपने चीन को 'चुच्चे मानचित्र' यानी नया नक्शा क्यों नहीं भिजवाया था?

यह 18 मई, 2020 की बात है, जब नेपाल का राजनीतिक मानचित्र संसद से पारित किया गया था। तत्कालीन सरकार ने नेपाल की सीमा में कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा को शामिल करते हुए नए मानचित्र में नेपाल के 335 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को शामिल किया था, जिससे कुल क्षेत्रफल 147,181 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 147,516 वर्ग किलोमीटर हो गया। मगर इस नए मानचित्र को चीन और भारत के साथ साझा करना ओली सरकार भूल गई। इस बीच 28 अगस्त, 2023 को चीन के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय ने अपना 'मानक मानचित्र, 2023 संस्करण' जारी किया। उसमें पुराने मानचित्र को ही स्वीकृति दी गई, जिसमें लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को भारत का हिस्सा माना गया था। नेपाली विदेश मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें चीन के नए नक्शे के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं थी। यह बयान जिस भी नेपाली नागरिक ने सुना, अपना माथा पीटकर रह गया।

लोगों ने जब नेताओं और नौकरशाहों को कठघरे में खड़ा करना शुरू किया, तब अपनी खाल बचाने के लिए ओली सरकार बयान देने लगी कि चीन ने नए मानचित्र की अनदेखी की है, जिसे 1816 की सुगौली संधि के आधार पर संसद ने मंजूरी दी थी।

कूटनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि नए मानचित्र के बारे में न केवल पड़ोसी देशों, बल्कि संयुक्त राष्ट्र को भी औपचारिक जानकारी न देना नेपाल की खुद की कमजोरी है। उनके मुताबिक, किसी भी देश को अपने मानचित्र में बदलावों के बारे में संबंधित पक्षों को सूचित करना होता है। अब वे पूछ रहे हैं, क्या नेपाल सरकार ने मानचित्र में बदलावों और नए मानचित्र के अनुसार प्रतीकों, चिह्नों को बदलने जैसे संविधान संशोधन के बारे में मित्र देशों को सूचित किया था? अगर किया था, तो उसने इसे मॉनिटर किया या नहीं? नेपाली विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता सेवा लम्साल का कहना है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र और पड़ोसी देशों को इस नक्शे के बारे में लिखा था या नहीं?

बहरहाल, 2 नवंबर, 2019 को भारत ने लिंपियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी को शामिल करते हुए एक नया नक्शा जारी किया था, जिसका नेपाल में कड़ा विरोध हुआ था। उसके अगले साल 8 मई, 2020 को भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिपुलेख लिंक रोड का उद्घाटन किया।

जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल- क्या एक रूस, एक भारत और एक चीन के स्वप्न से बनेगी बात?

आए दिन बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल के दृष्टिगत एक रूस, एक भारत और एक चीन के अघोषित स्वप्न यक्ष प्रश्न समुपस्थित है। देखा जाए तो प्रथम-द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रणेता रहे अमेरिका-यूरोप की कुचक्री नीतियों के प्रतिरोध स्वरूप बन रहे यूरेशियाई ब्लॉक यानी रूस-चीन-भारत के समूह और उसके प्रस्तावित आरआईसी त्रिकोण के सम्मुख यह मौलिक सवाल समुपस्थित है कि क्या इस त्रिकोण के बिना उनके विश्वव्यापी भविष्य और उनकी सफलता दोनों संदिग्ध रहेगी।

(कमलेश पांडे)

ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं।

आए दिन बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच जियो-पॉलिटिकल लव ट्रेंगल के दृष्टिगत एक रूस, एक भारत और एक चीन के अघोषित स्वप्न यक्ष प्रश्न समुपस्थित है। देखा जाए तो प्रथम-द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रणेता रहे अमेरिका-यूरोप की कुचक्री नीतियों के प्रतिरोध स्वरूप बन रहे यूरेशियाई ब्लॉक यानी रूस-चीन-भारत के समूह और उसके प्रस्तावित आरआईसी त्रिकोण के सम्मुख यह मौलिक सवाल समुपस्थित है कि क्या इस त्रिकोण के बिना उनके विश्वव्यापी भविष्य और उनकी सफलता दोनों संदिग्ध रहेगी। ऐसा इसलिए कि वर्तमान अमेरिकी सनक और हनक के प्रतिक्रिया स्वरूप अब भारत ने गुटनिरपेक्षता के बजाए रूस के साथ चीन की ओर जिस तरह से अपना झुकाव प्रदर्शित किया है, वह अमेरिका-यूरोप के मित्रगत समझ और उन पर आधारित तिकड़मों को तो करारा जवाब है ही, साथ ही भारत अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों से इतर भी एक नया और ठोस संकेत दे रहा है, जिसे समझने की जरूरत है।

मसलन, यह कि अपने दूरगामी राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए भारत किसी भी विकसित देश के धौंसपट्टी में नहीं आएगा और इसकी भरपाई के लिए घोर शत्रु से भी हाथ मिलाने में नहीं हिचकिचाएगा। अमेरिका यदि पाकिस्तान-बंगलादेश को भारत के खिलाफ भड़कएगा तो भारत भी अब चुप नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक रणनीतिक पलटवार ऑपरेशन सिंदूर की भांति करेगा।

ऐसे में संयुक्त राज्य अमेरिका और दो दर्जन देशों से अधिक की सदस्यता वाले यूरोपीय संघ में शामिल नाटो देशों के अंतरराष्ट्रीय तिकड़मों से निपटने के लिए जरूरी है कि रूस, भारत, चीन तीनों अपना-अपना विस्तार करें। खुद को उम्मीद से ज्यादा मजबूत बनाएं। इस दृष्टि से भारत के सदाबहार दोस्त सोवियत संघ में

शामिल रहे रूस और अन्य चौदह देशों के अलावा, तुर्किये, सीरिया, मिश्र, सऊदी अरब आदि के उसमें मिलने से ही एक वृहत रूस या रूसी परिसंघ का सपना पूरा होगा। लिहाजा इस क्षेत्र में नाटो की बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

इसी प्रकार भारत को उसके पड़ोसी देशों, यथा- पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, म्यांमार, नेपाल, तिब्बत, भूटान, श्रीलंका, मालदीव के अलावा भी थाईलैंड, कम्बोडिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, मलेशिया आदि देशों को भारत में मिलाने के नैतिक प्रयत्न जारी रखने होंगे, क्योंकि इससे ही एक भारत का सपना पूरा होगा। वहीं, इस क्षेत्र में अमेरिका या चीन के बढ़ती दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं।

ठीक इसी तरह से चीन के विस्तार के लिए ताइवान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, लाओस, वियतनाम आदि देशों को उसमें मिलाना जरूरी है, जिससे एक चीन का सपना जल्द पूरा होगा। लेकिन यहां पर भी अमेरिका या जापान के बढ़ते दखल से भविष्य में मामले उलझ सकते हैं। इस नजरिए से देखा जाए तो ये तीनों इतने वृहत भौगोलिक पॉलिटिकल ब्लॉक हैं, जिन पर रूस, भारत और चीन की पकड़ मजबूत होने से उनके संयुक्त रणनीतिक एजेंडे को बल मिलेगा। इसलिए यदि इनके एजेंडे में यह विषय शामिल नहीं है तो अविलंब कर लीजिए। इससे तीनों देशों का ही भला होगा। लेकिन एक दूसरे के भौगोलिक, आर्थिक और सैन्य हितों का सम्मान कीजिए, अन्यथा मित्रतापूर्ण भाव कटुता में तब्दील हो जाएगी।

लिहाजा यदि संभव हो तो इसी आधार पर अपनी रणनीतिक समझदारी भी विकसित कर लीजिए और एक-दूसरे के पैर को खींचना बन्द कर दीजिए। यदि आप तीनों ऐसा कर पाए तो नाटो या जी-7 पर एससीओ या ब्रिक्स देश समूह चौबीस घण्टे भारी पड़ेंगे। लेकिन यह काम इतना आसान भी नहीं है। इसके लिए पुतिन, मोदी और जिनपिंग को थोड़ा बहुत त्याग करना होगा, थोड़ा दिल बड़ा करके पड़ोसियों की मानसिकता को बदलना या जीतना होगा, थोड़ा धैर्य पूर्वक कदम बढ़ाना होगा।

वहीं, निकट भविष्य में यदि भारत-रूस के प्रभाववश इजरायल का भी इस त्रिकोण को साथ मिल गया तो यह सोने पर सोहागा वाली स्थिति होगी। इससे अरब व यूरोप के उन हिस्सों पर भी भारत-रूस की पकड़ मजबूत होगी, जिन पर इजरायल की धाक जमेगी। यदि वह यरूशलेम-इंग्लैंड एक्सप्रेस-वे विकसित कर लेता है तो यह उसके लिए बहुत सुकून की बात होगी। यह स्थिति अमेरिका-रूस दोनों के लिए सुखद होगी।

यदि इस नजरिए से नई दिल्ली-मॉस्को एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, नई दिल्ली-सिंगापुर एक्सप्रेस-वे और नई दिल्ली-यरूशलेम एक्सप्रेस-वे बना दिया जाए तो इसके और बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। इसी तरह से रूस के मास्को-बीजिंग एक्सप्रेस-वे, मास्को-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-बर्लिन एक्सप्रेस-वे, मॉस्को-पेरिस एक्सप्रेस-वे के सपने देखे जाएं तो यह उसके लिए बेहतर हो सकता है।

रही बात चीन की तो उसके लिए बीजिंग-इस्ताम्बुल (तुर्किये) एक्सप्रेस-वे, टोकियो एक्सप्रेस वे-वॉटर वे, चीन-लाओस एक्सप्रेस-वे से उसके कारोबार में भी इजाफा हो सकता है। लेकिन क्या ऐसा करना आसान है? जवाब होगा- शायद हां भी और नहीं भी।

संक्षिप्त समाचार

700 अप्रवासी बच्चों को वापस भेजने की योजना बना रहा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ओरेगन राज्य के सीनेटर रॉन वायडन ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को बताया कि ट्रंप प्रशासन लगभग 700 ग्वाटेमाला के ऐसे बच्चों को देश से बाहर भेजने की योजना बना रहा है जो अपने माता-पिता के बिना अमेरिका आए थे। सीनेटर वायडन ने यह जानकारी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग की ऑफिस ऑफ रिफ्यूजी रिसेटलमेंट की कार्यकारी निदेशक एंजी सालाजार को भेजे एक पत्र में दी। यह दफ्तर उन बच्चों की देखरेख करता है जो बिना अभिभावक के अमेरिका आते हैं। वायडन ने लिखा कि इन बच्चों को वापस भेजना कार्यालय की बाल कल्याण जिम्मेदारी और इस देश की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता का उल्लंघन होगा।

यमन पर इस्राइली हमले में हूती पीएम रक्षा मंत्री व आर्मी चीफ की मौत का दावा

साना, एजेंसी। इस्राइल ने यमन की राजधानी सना में हूती विद्रोहियों के खिलाफ बड़ा हवाई हमला किया है। हमले में हूती प्रधानमंत्री गालिब अल-रहावी और समूह के रक्षा मंत्री समेत कई सैन्य अधिकारी मारे जाने की आशंका है। हालांकि, हूती नेताओं की मौत पर समूह की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अल रहावी एक साल से हूतियों के कब्जे वाले यमन के प्रधानमंत्री थे। हालांकि, उन्हें अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं मिली थी। इस्राइली मीडिया ने इसे यमन के हूतियों पर सबसे बड़ा हमला करार दिया है। हमला उस वक्त किया गया जब ये शीर्ष नेता एक अपार्टमेंट में राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित एक भाषण कार्यक्रम देख रहे थे। हमले की खबर सबसे पहले हूती समूह से संचालित अल मसीरा टीवी ने दी और फिर रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज और आईडीएफ ने भी हमले की पुष्टि की। यमन के अल-जम्हूरिया चैनल ने बताया कि हूती प्रधानमंत्री अल-रहावी अपने कई सहयोगियों के साथ एक अपार्टमेंट में थे, जब उन्हें निशाना बनाया गया। हूती रक्षा मंत्री मोहम्मद नासिर अल-अथिफी और चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद अब्द अल-करीम अल-गमारी के भी इस हमले में मारे जाने की संभावना है।

सिंगापुर में एक भारतीय नागरिक को जेल की सजा, सड़क दुर्घटना में लॉ प्रोफेसर की मौत का दोषी

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने शुक्रवार को एक भारतीय नागरिक को 2023 में एक सड़क दुर्घटना में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर के एक वरिष्ठ लॉ प्रोफेसर की मौत के लिए दो साल एक महीने की जेल और 2,000 सिंगापुर डॉलर के जुर्माने की सजा सुनाई। 7 जुलाई, 2023 को, एक निर्माण मजदूर नटराजन मोहनराज (28) ट्रक चलाते समय अपना मोबाइल फोन देख रहा था और उसी वक्त उसके ट्रक ने एमेरिटस प्रोफेसर टैन यॉक लिन (70) की कार से टक्कर मार दी। इस हादसे में प्रोफेसर की इलाज के दौरान मौत हो गई। सिंगापुर के अखबार द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, नटराजन का लापरवाही से गाड़ी चलाने का इतिहास रहा है। ट्रैफिक पुलिस ने उन्हें जून 2023 में 25 जुलाई से पहले अपना लाइसेंस सरेंडर करने का नोटिस जारी किया था, लेकिन लाइसेंस सरेंडर करने की समय सीमा से दो हफ्ते पहले ही दुर्घटना हो गई। दुर्घटना के बावजूद, नटराजन ने 2024 में अपना लाइसेंस रद्द होने के बाद भी दो अलग-अलग मौकों पर दूसरी लॉरी चलाना जारी रखा। सिंगापुर मीडिया की रिपोर्ट में कहा कि अदालत ने मोहनराज को सिंगापुर में आजीवन गाड़ी चलाने से भी प्रतिबंधित कर दिया है।

अमेरिकी कोर्ट का बड़ा फैसला, ट्रंप के अधिकांश टैरिफ को बताया अवैध, राष्ट्रपति बोले- ये फैसला तबाह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में संघीय अपील अदालतों में से एक ने फैसला सुनाया कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए अधिकांश टैरिफ कानूनों के अनुरूप नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को पुष्टि की कि देशों पर लगाए गए सभी टैरिफ प्रभावी रहेंगे। साथ ही हाल ही में एक अत्यधिक पक्षपातपूर्ण अपील न्यायालय के फैसले को गलत बताया।

ट्रंप ने कहा,सभी टैरिफ अभी भी लागू हैं! आज एक बेहद पक्षपातपूर्ण अपील अदालत ने गलती से कहा कि हमारे टैरिफ हटा दिए जाने चाहिए, लेकिन वे जानते हैं कि अंत में जीत अमेरिका की ही होगी। अगर ये टैरिफ कभी हटा दिए गए तो यह देश के लिए पूरी तरह से विनाशकारी होगा। यह हमें आर्थिक रूप से कमजोर बना देगा, और हमें मजबूत होना होगा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी एक संघीय अपील अदालत द्वारा यह फैसला सुनाए जाने के बाद आई है कि अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम किसी

राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता है। जैसा कि ट्रंप ने इस वर्ष की शुरुआत में कानून का इस्तेमाल किया था। संघीय सर्किट ने ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए यह बात कही।

सीएनएन के अनुसार न्यायाधीशों ने कहा कि ट्रम्प द्वारा लगाया गया अभूतपूर्व टैरिफ उनकी शक्ति का अतिक्रमण है क्योंकि टैरिफ सहित कर लगाने की क्षमता एक प्रमुख कांग्रेसी शक्ति है जो संविधान विधायी शाखा को प्रदान करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि उनका देश अब बड़े व्यापार घाटे या अन्य देशों द्वारा लगाए गए अनुचित टैरिफ और गैर-टैरिफ व्यापार बाधाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने आगे कहा, अगर इसे ऐसे ही रहने दिया गया तो यह फैसला सचमुच अमेरिका को तबाह कर देगा।

मजदूर दिवस सप्ताहांत से पहले ट्रंप ने अमेरिकी कामगारों और कंपनियों की मदद के लिए टैरिफ के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा, हम सभी को याद रखना चाहिए कि टैरिफ हमारे कामगारों की मदद करने और बेहतरीन मेड इन अमेरिका उत्पाद बनाने वाली कंपनियों का समर्थन करने का सबसे अच्छा जरिया है। ट्रंप ने अमेरिका के खिलाफ टैरिफ लगाने की इजाजत देने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की। उन्होंने कहा, कई सालों तक, हमारे बेपरवाह और नासमझ राजनेताओं ने टैरिफ को हमारे खिलाफ इस्तेमाल करने दिया। अब, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की मदद से हम अपने देश के हित में इनका इस्तेमाल करेंगे और अमेरिका को फिर से समृद्ध, मजबूत और शक्तिशाली बनाएंगे! रिपोर्ट के अनुसार वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने जून में संकेत दिया था कि अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों के साथ टैरिफ वार्ता श्रम दिवस तक पूरी हो सकती है, हालांकि कानूनी अनिश्चितता के कारण अब यह समय-सीमा जटिल हो गई है।

व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को राष्ट्रपति के कदमों का बचाव किया। प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने विदेशी खतरों से हमारी राष्ट्रीय और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए कांग्रेस द्वारा उन्हें दी गई टैरिफ शक्तियों का वैधानिक रूप से प्रयोग किया। राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए टैरिफ अभी भी प्रभावी हैं और हम इस मामले में अंतिम जीत की आशा करते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण व्यापार घाटे वाले लगभग साठ देशों या व्यापार समूहों पर नए टैरिफ की एक व्यापक श्रृंखला की घोषणा की। ये लगभग 100 वर्षों में अमेरिका द्वारा की गई सबसे बड़ी टैरिफ वृद्धि थी।

मैंने बहुत लोगों का मुंह तोड़ा, पत्रकार पर भड़के ऑस्ट्रेलियाई राजनेता ने दी धमकी, खड़ा हुआ विवाद

ब्रिस्बेन , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के राजनेता बॉब कैटर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकार को धमकाने को लेकर विवादों में घिर गए हैं। यह घटना ब्रिस्बेन में क्वीनस्लैंड संसद भवन के बाहर हुई, जहां एक पत्रकार ने बॉब कैटर से उनके लेबनानी मूल को लेकर सवाल पूछा। इस सवाल से कैटर भड़क गए और उन्होंने गुस्से में पत्रकार की ओर मुट्ठी उठाई।

कैटर ने चिल्लाते हुए कहा, अरे यार, ये मत बोलो! क्योंकि ये बात मुझे गुस्सा दिलाती है और मैंने ऐसे कहने वाले लोगों का मुंह तोड़ा है। मत बोलो ऐसा। मेरा परिवार यहां 140 साल से है। उन्होंने आगे कहा, मैंने कई बार लोगों का मुंह तोड़ा है, लेकिन आज खुद को रोक रहा हूं। मत बोलो ऐसा।

एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, जब एक दूसरे पत्रकार ने पूछा कि इस सवाल में क्या गलत है, तो कैटर ने जवाब दिया, मैं इस मुद्दे पर बात नहीं कर रहा। मैं एक ऑस्ट्रेलियाई हूं। मेरा परिवार यहां आदिकाल से है। बात खत्म।

हालांकि, धमकाए जाने के बावजूद चैनल 9 के पत्रकार जॉश बावास ने एक और सवाल पूछा। उन्होंने कहा, ऐसे बहुत लोग हैं जो दूसरे देशों से

आए हैं, जैसे आप और आपका परिवार, और वे अच्छे मूल्यों को साथ लेकर आते हैं। लेकिन कैटर ने उन्हें बीच में रोकते हुए फिर से गुस्से में कहा, ऐसा मत कहो।

तुम नस्लवादी हो। उन्होंने बावास की ओर उंगली दिखाते हुए कहा, तुम नस्लवादी हो। तुमने जो कहा वो एक नस्लवादी बयान है। कैटर ने बाद में एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पत्रकार और चैनल से माफी की मांग की। उन्होंने लिखा, मुझे ऑस्ट्रेलियाई न मानना मेरे लिए बहुत अपमानजनक है। मैं इसके लिए माफी चाहता हूं।

वहीं, पत्रकार जॉश बावास ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस को असामान्य बताया। उन्होंने कहा, मैंने बीते बीस वर्षों की पत्रकारिता में ऐसा कभी नहीं देखा। मैं केवल यह पूछना चाह रहा था कि प्रवासी परिवारों ने इस देश में साझा मूल्यों के जरिए क्या योगदान दिया है, जिसमें कैटर और मेरा परिवार भी शामिल है।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी बॉब कैटर की आलोचना की। प्रधानमंत्री ने कहा, बॉब कैटर मुझे पसंद हैं, लेकिन उन्हें यह वीडियो देखना चाहिए। खुद को देखना चाहिए और समझना चाहिए कि किसी भी ऑस्ट्रेलियाई, खासकर सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद नहीं की जाती। उन्होंने आगे कहा, आप ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं, जिसका नाम अल्बनीज है। हमारे सीनेट नेता का नाम वोंग है। प्रवासन इस देश को समृद्ध करता है। पहले ऑस्ट्रेलियाई (फर्स्ट ऑस्ट्रेलियन) को छोड़कर हम सब या तो प्रवासी हैं या प्रवासियों की संताने की संताने हैं।

थाईलैंड की अदालत ने प्रधानमंत्री शिनावात्रा को किया बर्खास्त, फोन कॉल लीक से जुड़ा है मामला

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा को नैतिकता के उल्लंघन के आरोप में शुक्रवार को पद से बर्खास्त कर दिया। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार सत्ता में आने के केवल एक साल बाद ही हुई बर्खास्तगी के बाद राजनीतिक उथल-पुथल की आशंका है। पैतोंगतार्न, थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री थी।

अपने फैसले में, अदालत ने कहा कि पैतोंगटार्न ने जून में लीक हुए एक टेलीफोन कॉल में नैतिकता का उल्लंघन किया है, जिसमें वह कंबोडिया के पूर्व नेता हुन सेन के सामने झुकती हुई दिखाई दीं। जब दोनों देश सशस्त्र सीमा संघर्ष के कगार पर थे। कुछ हफ्तों बाद लड़ाई शुरू हुई और पांच दिनों तक चली। 6-3 के बहुमत से दिए गए फैसले में, अदालत ने कहा कि पैतोंगटार्न ने अपने निजी हितों को राष्ट्र के हितों से ऊपर रखा और देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया।

आगे क्या होगा? : पैतोंगतार्न शिनावात्रा 17 वर्षों में संवैधानिक न्यायालय द्वारा हटाई जाने वाली पांचवीं प्रधानमंत्री बनीं। उप-प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और वर्तमान मंत्रिमंडल कार्यवाहक के रूप में तब तक सरकार की देखरेख करेंगे जब तक कि संसद द्वारा नए प्रधानमंत्री का चयन नहीं हो जाता, जिसकी तिथि सदन के अध्यक्ष द्वारा तय की जाएगी। संविधान में निचले सदन की बैठक कब होनी चाहिए, इसकी कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं है।

शिनावात्रा परिवार को नुकसान: अदालत के इस फैसले से पार्टियों और अन्य सत्ता-दलालों के बीच सौदेबाजी और खरीद-फरोख्त का रास्ता खुल गया है। जिसका केंद्रबिंदु पैतोंगटार्न के पिता और पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा हो सकते हैं। क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन के पास केवल सात सीटों का मामूली बहुमत है, जिसका अर्थ है कि गठबंधन से किसी भी तरह की निष्ठा का बदलाव शिनावात्रा राजनीतिक परिवार के लिए महंगा पड़ सकता है।

अमेरिका की संसदीय समिति का चीन पर सख्त रुख एआई चिप निर्यात पर नई रणनीति लागू करने की सिफारिश की

वॉशिंगटन, एजेंसी। चीन पर अमेरिका की विशेष संसदीय समिति के अध्यक्ष जॉन मूलनार ने वाणिज्य विभाग के सचिव हावर्ड लटकनिक को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने चीन को निर्यात की जाने वाली एआई चिप पर रोलिंग टेक्निकल थ्रेशोल्ड (आरटीटी) रणनीति लागू करने की सिफारिश की है। मूलनार मिशिगन राज्य से रिपब्लिकन पार्टी के सांसद हैं।

इस रणनीति का मकसद यह है कि चीन को जो एआई चिप निर्यात किए जाएं, वे उन चिप से थोड़े बेहतर हों जिन्हें चीन खुद अपने देश में बड़े पैमाने पर बना सकता है। इस तरह अमेरिका अपनी तकनीकी बढ़त बनाए रख सकेगा। साथ ही, इस रणनीति का एक और लक्ष्य यह है कि चीन की कुल एआई कंप्यूटिंग शक्ति अमेरिका की तुलना में केवल 10 तक सीमित रहे, ताकि अमेरिका लंबे समय तक एआई में अग्रणी बना रहे। मूलनार ने पिछले महीने एनवीडिया कंपनी के एच20 जैसे चिप के चीन निर्यात पर नाराजगी जताई थी। ऐसे चिप चीन में बड़े पैमाने पर नहीं बना पाता है और ये चीन में बने चिप की तुलना में काफी उन्नत माने जाते हैं।

संसदीय समिति की अप्रैल 2025 की डीपसीक पर रिपोर्ट के अनुसार, इन चिप ने चीन के सबसे उन्नत एआई मॉडल आर1 को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। मूलनार ने पत्र

में लिखा है, हमने कई बार देखा है कि चीन अपनी तकनीक और हथियार रूस, ईरान और अन्य दुश्मन को देता है, जिससे अमेरिका के सहयोगी देशों पर हमले होते हैं। खासकर ईरान, चीन की एआई क्षमताओं का लाभ उठाने को तैयार बैठा है।

उन्होंने आगे कहा कि डीपसीक द्वारा चीनी सेना के लिए खास तौर पर तैयार किया गया आर1 मॉडल अब चीन की सैन्य क्षमताओं में एक विकल्प के रूप में शामिल हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर चीन ऐसे एआई-सक्षम ड्रोन के झुंड ईरान को बेचता है, जिनमें खुद-ब-खुद चलने की क्षमता, आपस में जुड़ने की क्षमता, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तकनीक और लक्ष्य पहचान जैसी खूबियां हों, तो ये अमेरिका या इस्राइल की सेनाओं के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। मौजूदा सुरक्षा प्रणाली शायद इन तकनीकों का मुकाबला आसानी से नहीं कर पाएगी।

आरटीटी रणनीति का मकसद यह है कि चीन अमेरिकी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर पर निर्भर बना रहे, लेकिन उसकी एआई तकनीक सीमित रहे। संसदीय समिति के अनुसार, इससे अमेरिका की बढ़त बनी रहेगी। इससे पहले मूलनार ने तकनीकी रणनीति पर काम करने वाले क्रैक इंस्टीट्यूट में अपने संबोधन में कहा था कि सेमीकंडक्टर, एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग केवल आर्थिक संसाधन नहीं है, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा, कूटनीति और वैश्विक प्रभाव बनाए रखने के लिए भी बेहद जरूरी है।

आयरिश मिशनरी समेत आठ लोग एक महीने बाद रिहा, अनाथालय पर हमले के दौरान किया गया था अगवा

पोर्ट-ओ-प्रिंस , एजेंसी। आयरलैंड की एक मिशनरी और तीन साल एक बच्चा उन आठ लोगों में शामिल हैं, जिन्हें हैती में बंदूकधारियों ने शुक्रवार को रिहा कर दिया। इन सभी को तीन अगस्त को एक अनाथालय पर हमले के दौरान अगवा कर लिया गया था। अधिकारियों और पीड़ितों के परिजनों ने उनकी रिहाई की पुष्टि की है।

गिना हेरेटी नाम की यह मिशनरी 1993 से हैती में काम कर रही हैं। वह सेंट-हेलीन अनाथालय में विशेष जरूरतों वाले बच्चों और वयस्कों के लिए चलाए जा रहे एक कार्यक्रम की निदेशक हैं। उनके परिवार ने कहा, हमारे पास इस राहत को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। हम हर उस व्यक्ति का धन्यवाद करते हैं, जिसने हमारी मदद की। हम हैती के लोगों के लिए शांति और सुरक्षा की कामना करते हैं, जो लगातार हिंसा से पीड़ित हैं।

आयरलैंड के उप-प्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने एक्स इस रिहाई की पुष्टि की। हालांकि, हैती की सरकार ने इस पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। गिना हेरेटी और अन्य सात लोगों को जिस अनाथालय से अगवा किया गया था, वह नोस पेटी फ्रेरे ए सूर्स नाम के एक अंतरराष्ट्रीय चैरिटी संस्था की ओर से संचालित किया जाता है, जिसके कार्यालय मेक्सिको और

फ्रांस में हैं। संस्था की वेबसाइट के अनुसार, यह अनाथालय 240 से अधिक बच्चों की देखभाल करता है।

इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, लेकिन यह इलाका विव अंसम नाम के गिरोह के नियंत्रण में है, जिसे अमेरिका ने इस साल विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था। गुरुवार को अमेरिका ने कहा कि वह हैती में हिंसा से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र से एक नई गिरोह नियंत्रण बल चाहता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शीया ने यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह बल पहले से तैनात केन्या के नेतृत्व वाले बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल से अलग होगा या उसी का हिस्सा रहेगा।

हैती में लगातार हिंसा बढ़ रही है। राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस का अधिकांश हिस्सा अब गिरोहों के कब्जे में है। अपहरण की घटनाएं आम हो गई हैं और मिशनरियों को पहले भी निशाना बनाया गया है। वर्ष 2021 में 400 मावोजो नाम के गिरोह ने राजधानी के पास स्थित गंथियर इलाके से अमेरिका की एक संस्था के 17 मिशनरियों को अगवा कर लिया था, जिनमें पांच बच्चे भी शामिल थे। इनमें से ज्यादातर को 61 दिन तक बंधक बनाकर रखा गया था।

शांति बहाली में तेजी लाने की कवायद, जेलेंस्की फिर ट्रंप से मिलेंगे ; रूस पर लगाए आरोप

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन बीच तीन साल से चल रहे संघर्ष में स्थिति दिन प्रतिदिन और भयावह होती जा रही है। शांति वार्ता को लेकर चल रहे प्रयास भी धूमिल होते हुए दिख रहे है। ऐसे में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि यूक्रेन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय नेताओं से अगले हफ्ते मुलाकात करना चाहता है ताकि रूस के साथ चल रही तीन साल की जंग को खत्म करने के प्रयासों पर चर्चा की जा सके। इस दौरान जेलेंस्की ने रूस पर आरोप लगाया कि वह शांति वार्ता में कोई गंभीर पहल नहीं कर रहा, बल्कि अब भी यूक्रेन के आम इलाकों पर हवाई हमले कर रहा है।

यूक्रेन राष्ट्रपति कार्यालय प्रमुख आंद्रेई यरमाक ने न्यूयॉर्क में ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य है कि वॉशिंगटन समिट में बनी सहमति को लागू किया जाए और कूटनीति को आगे बढ़ाया जाए। यरमाक ने बताया कि पुतिन इस महीने अलास्का में ट्रंप से मुलाकात के बाद भी शांति वार्ता में रुचि नहीं दिखा रहे। उन्होंने कहा कि रूस युद्ध रोकने के लिए जरूरी किसी भी कदम को नहीं मान रहा और जानबूझकर स्थिति को लटकाए रख रहा है।जेलेंस्की ने कहा कि अगले हफ्ते यूरोपीय नेताओं के साथ कई मुलाकातें अलग-अलग जगहों पर होंगी। यूक्रेन ने अमेरिका के सीजफायर प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है और जेलेंस्की-पुतिन बैठक के लिए तैयार है, लेकिन रूस ने कुछ आपत्तियां जताई हैं। बता दें कि यूक्रेन ने अब तक कतर, सऊदी अरब, तुर्की, यूएई, स्विट्जरलैंड और अमेरिका में शांति वार्ता को आगे बढ़ाने की कोशिश की है।

अमेरिका ने कैंसिल किया फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास का वीजा

अगले महीने होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक उच्च-स्तरीय बैठक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अगले महीने होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक उच्च-स्तरीय बैठक से पहले फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास और 80 अन्य अधिकारियों के वीजा रद कर दिए हैं। फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने इस कदम को अंतर्राष्ट्रीय कानून के विरुद्ध बताया है।

विदेश विभाग के एक अधिकारी ने, जिन्होंने आमतौर पर गोपनीय रहने वाले वीजा मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नाम न छापने की शर्त पर बात की। उन्होंने शुक्रवार को खुलासा किया कि अब्बास और फिलिस्तीनी प्राधिकरण के अन्य अधिकारी नए वीजा प्रतिबंधों से प्रभावित लोगों में शामिल हैं। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र मिशन में नियुक्त फिलिस्तीनी प्रतिनिधियों को छूट दी गई है। यह कदम ट्रंप प्रशासन द्वारा फिलिस्तीनियों पर वीजा प्रतिबंध लगाने के लिए उठाए गए कदमों की श्रृंखला में बिल्कुल नया है। साथ ही यह ऐसे समय में आया है जब इजराइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर को युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया है। कुछ रुढ़िवादियों द्वारा सोशल मीडिया पर विरोध प्रदर्शन के बाद, विदेश विभाग ने उस कार्यक्रम को भी निलंबित कर दिया, जिसके तहत गाजा से घायल फिलिस्तीनी बच्चों को इलाज के लिए अमेरिका आने की अनुमति दी गई थी।

विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि रुबियो ने फिलिस्तीनी अधिकारियों, जिनमें फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन से जुड़े अधिकारी भी शामिल हैं, के कुछ नए वीजा आवेदनों को भी अस्वीकार करने का आदेश दिया है।

बयान में कहा गया है, यह हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हित में है कि पीएलओ और पीए को अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन न करने और शांति की संभावनाओं को कमजोर करने के लिए जवाबदेह ठहराया जाए। इसमें कहा गया है कि शांति के लिए भागीदार माने जाने के

लिए, इन समूहों को अमेरिकी कानून और पीएलओ के वादे के मुताबिक, आतंकवाद का लगातार खंडन करना होगा और शिक्षा में आतंकवाद को बढ़ावा देना बंद करना होगा।

फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने वीजा वापसी की निंदा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र के मेजबान देश के रूप में अमेरिकी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन बताया और विदेश विभाग से अपने फैसले को वापस लेने का आग्रह किया। इसने एक बयान में कहा कि फिलिस्तीनी राष्ट्रपति कार्यालय ने वीजा संबंधी इस फैसले पर गहरा खेद और आश्चर्य व्यक्त किया है। यह अंतर्राष्ट्रीय कानून और मुख्यालय समझौते का उल्लंघन करता है। खासकर इसलिए क्योंकि फिलिस्तीन राज्य संयुक्त राष्ट्र का एक पर्यवेक्षक सदस्य है।

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि विश्व निकाय विदेश विभाग से स्पष्टीकरण मांगेगा। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इस मुद्दे का समाधान हो जाएगा। यह महत्वपूर्ण है कि सभी सदस्य देशों, स्थायी पर्यवेक्षकों का प्रतिनिधित्व हो। विदेश विभाग ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी प्राधिकरण मिशन में नियुक्त प्रतिनिधियों को संयुक्त राष्ट्र के साथ अमेरिकी मेजबान देश समझौते के तहत छूट दी जाएगी, ताकि वे न्यूयॉर्क स्थित अपने अभियान जारी रख सकें। ट्रंप प्रशासन ने उन लोगों पर कड़ी कार्रवाई की है जिनके पास अमेरिका आने की कानूनी अनुमति है, और कई बार रद्द किए गए वीजा के बारे में कभी विशेषाधिकार प्राप्त जानकारी जारी करने के मानकों में ढील दी गई है, ताकि सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखी जा सके। उदाहरण के लिए, विदेश विभाग के दूसरे सबसे वरिष्ठ राजनयिक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, जब अमेरिका ने ब्रिटिश पंक-रैप जोड़ी बॉब वायलन के वीज़ा रद्द कर दिए थे। ऐसा इसलिए, क्योंकि उन्होंने भीड़ को इजराइली सेना के लिए मौत के नारे लगाने के लिए प्रेरित किया था। संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी राजदूत रियाद मंसूर ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि अब्बास ने संयुक्त राष्ट्र की बैठकों में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने की योजना बनाई थी। साथ ही उनसे महासभा को संबोधित करने की उम्मीद की जा रही थी।

प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया

25 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न

कोण्डागांव। 25 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ स्टेडियम ग्राउंड कोंडागांव में समापन हुआ। समापन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अनीता कोर्राम अध्यक्ष जनपद पंचायत कोंडागांव, यशोदा कश्यप सदस्य जिला पंचायत, जसकेतु उसेंडी उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद कोंडागांव, टोमेंद्र सिंह ठाकुर उपाध्यक्ष जनपद पंचायत, कुंती कोर्राम सदस्य जनपद पंचायत एवं अन्य जनप्रतिनिधियों, डीआईजी आइटीबीपी सहित विभागीय अधिकारी तथा प्रतिभागी छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में सरस्वती माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों का स्वागत बैच एवं पुष्पुच्छ भेंट कर एवं स्वागत गीत के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागत पश्चात सेजेस जामकोट पारा एवं शासकीय हाई स्कूल पिपरा के छात्र छात्राओं द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत मांदरी नृत्य प्रस्तुत किया गया, जो काफी आकर्षक एवं रोचक रहा। तत्पश्चात चार दिवसीय शालेय कीड़ा प्रतियोगिता का प्रतिवेदन जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान द्वारा प्रस्तुत किया। जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान के उद्बोधन पश्चात विभिन्न शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान आने वाले प्रतिभागी सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंचासिन अतिथियों द्वारा सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए। उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाकर कोंडागांव छत्तीसगढ़ राज्य का नाम रोशन करें। तथा डीआईजी आइटीबीपी सुरेश ने प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करते हुए सभी छात्र-छात्राओं को राष्ट्रहित के लिए समर्पित होकर कार्य करने हेतु प्रेरित किया। 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में के फुटबॉल बालक वर्ग में बस्तर जोन प्रथम, सरगुजा जोन द्वितीय एवं रायपुर जोन तृतीय स्थान पर रहा। वहीं तीरंदाजी तीनों आयु वर्ग में बिलासपुर जोन प्रथम , रायपुर जोन द्वितीय और बस्तर जोन तृतीय स्थान पर रहा। जबकि मलखब में बस्तर जोन प्रथम ,बिलासपुर जोन द्वितीय एवं रायपुर जोन तृतीय स्थान पर रहा। इस प्रकार ओवरऑल चौंपियनशिप में बस्तर जोन ने जनरल चौम्पियनशीप पर कब्जा किया। 25 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में में विशेष सहयोग प्रदान करने हेतु पुलिस विभाग के घोष दल श्याम लाल कोर्राम एवं साथी तथा एनसीसी पायलेट ,स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका सफाई कर्मचारी, राष्ट्रीय सेवा योजना शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बालक कोंडागांव विकास एवं साथी, सेजेस जामकोट पारा, केंद्रीय विद्यालय कोंडागांव, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कोपरा एवं समस्त विभागीय कार्य में विशेष सहयोग देने वाले अधिकारी कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में खेल ध्वज को मुख्य अतिथि द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान को सौंप कर कार्यक्रम समापन की घोषणा किया गया ।

तीन नक्सली गिरफ्तार विस्फोटक सामग्रियां बरामद

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। थाना चिंतागुफा क्षेत्र में संयुक्त ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ये नक्सली सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की योजना बना रहे थे और इनके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक गिरफ्त में आए नक्सली सुरक्षा बलों के लिए आईईडी प्लांट करने की योजना बना रहे थे। इनके कब्जे से एक टिफिन बम (लगभग 2-3 किग्रा), पांच इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, पांच जिलेटिन रॉड, पांच मीटर कोर्डेक्स वायर और अन्य खतरनाक विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि यह ऑपरेशन थाना चिंतागुफा पुलिस और 50वीं वाहिनी सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने किया है। सभी गिरफ्तार नक्सली ग्राम बुर्कलंका, थाना चिंतागुफा के निवासी हैं। तथा, प्रतिबंधित माओवादी संगठन के सक्रिय सदस्य हैं। आरोपियों के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4, 5 के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया गया।

प्रशासन की तत्परता : बाढ़ प्रभावितों को मिला राशन

दन्तेवाड़ा। दंतेवाड़ा में हाल ही में आई बाढ़ से निपटने और प्रभावितों को आवश्यक मदद पहुँचाने में प्रशासन तत्पर रहा। अपने विदेश दौरे के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दक्षिण कोरिया से वीडियो कांफ्रेंसिंग कर बाढ़ प्रभावित जिलों के कलेक्टरों को आवश्यक निर्देश भी दिए थे। मुख्यमंत्री के दंतेवाड़ा के चूड़ी टिकरापारा पहुँचने पर बाढ़ प्रभावित परिवारों ने प्रशासन द्वारा समय पर बचाव एवं राहत पहुँचाने के लिए आभार व्यक्त किया। मौजूद लोगों ने कहा कि सरकार की इस संवेदनशील पहल से सभी प्रभावित परिवार सुरक्षित और सकुशल हैं। राहत शिविर में रहने, भोजन और इलाज जैसी सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

आरोपी के कब्जे से 14 लीटर शराब जप्त

कोण्डागांव। पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव वाय. अक्षय कुमार द्वारा जिला के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को आसमाजिक कृत्यों को अंजाम देने वाले असामजिक तत्वों पर उचित वैधानिक कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। जिस पर अति. पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल एवं अनुविभागीय अधिकारी केशकाल अरूण नेताम के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी नरेश साहू के कुशल नेतृत्व में जुआ, सट्टा, खुड़खुड़िया, आबकारी, मादक पदार्थ परिवहन पर रोक लगाने टीम गठित कर कोण्डागांव, 1 सितंबर को चौकी क्षेत्र में रवाना किया गया था। ईलाक भ्रमण के दौरान विश्वसनीय मुखबीरों से सूचना मिला कि एक व्यक्ति उड़ीसा राज्य से ग्राम मोरंगपुरी ठेंगापारा की ओर लुकते छिपते कच्ची मार्ग से बोरी में भरकर HUNTER VERY SHRONG PREMIUM BEER शराब बेचने के लिये ला रहा है कि सूचना पर पुलिस टीम के द्वारा अवैध शराब रेड की कार्यवाही कर आरोपी को पकड़ा गया जिसके कब्जे से 14 लीटर उड़ीसा राज्य की अवैध अंग्रेजी शराब किमती 5600 रू को बरामद कर जप्त किया गया तथा आरोपी ने अपना नाम आशीष नेताम पिता हीराराम नेताम उम्र 25 वर्ष जाति गोंड निवासी बैजनपुरी थाना विश्रामपुरी जिला कोण्डागांव छ.ग. का निवासी बताया। आरोपी का कृत्य छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत् अपराध घटित होना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। वरिष्ट अधिकारियों के मार्गदर्शन में चौकी क्षेत्रांतर्गत उड़िसा सीमावर्ती क्षेत्र में इस प्रकार की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

नवा खाई पर्व पर प्रशासनिक आदेश की अनदेखी, चावरा स्कूल सवालों के घेरे में

कोण्डागांव। जिलेभर में 1 सितम्बर को बस्तर की आस्था और परंपरा से जुड़ा नवा खाई पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन ने हर वर्ष की तरह इस बार भी शासकीय व निजी विद्यालयों के लिए अवकाश घोषित किया था, ताकि सभी विद्यार्थी और परिवारजन इस पर्व को पारंपरिक उत्साह से मना सकें। लेकिन जिले के चावरा स्कूल ने प्रशासनिक आदेश की अनदेखी करते हुए इस दिन कक्षाएं संचालित कीं, जिससे ग्रामीणों और अभिभावकों में नाराजगी देखी गई। बस्तर की लोक संस्कृति में नवा खाई पर्व का विशेष महत्व है। यह पर्व खेतों में धान की नई फसल आने पर मनाया जाता है। ग्रामीण इस दिन खेत से नई बालियां तोड़कर देवी-देवताओं को अर्पित करते हैं और उसके बाद बड़े हर्षोल्लास से घर-घर में पर्व का आयोजन होता है। यही कारण है कि जिला प्रशासन इस पर्व को देखते हुए शासकीय अवकाश घोषित करता है। कोण्डागांव स्थित चावरा स्कूल, जो कि ईसाई मिशनरी संस्था द्वारा संचालित है, ने इस पारंपरिक पर्व को महत्व न देते हुए विद्यालय खुला रखा। स्थानीय लोगों का कहना है कि विद्यालय प्रबंधन अपनी धार्मिक मान्यताओं के कारण हिंदू परंपराओं और बस्तर की संस्कृति को नजरअंदाज करता है। जब इस संबंध में विद्यालय की प्राचार्या एसआर सिसलिया से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि नवा खाई का अवकाश विद्यालय में 3 सितंबर को रखा गया है। उन्होंने दावा किया कि इस विषय पर फोन पर कलेक्टर से चर्चा की गई है, हालांकि लिखित में कोई अनुमति नहीं ली गई है। जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान ने स्पष्ट किया कि शासन द्वारा घोषित अवकाश का पालन सभी विद्यालयों को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चावरा स्कूल ने लिखित अनुमति नहीं ली है और केवल फोन पर बात को अनुमति नहीं माना जा सकता। डीईओ ने यह भी कहा कि जब पूरा जिला परंपरा और आस्था से जुड़े पर्व को मना रहा है, तब विद्यालय को नियमों का पालन करते हुए बच्चों को घर पर अवकाश देना चाहिए था। स्थानीय बुद्धिजीवी वर्ग यतींद्र सलाम आदिवासी युवा प्रभाग जिला अध्यक्ष का कहना है कि यह घटना सिर्फ प्रशासनिक आदेश की अवहेलना नहीं, बल्कि बस्तर की सांस्कृतिक अस्मिता के प्रति भी असम्मान है। चावरा स्कूल का रवैया इस ओर संकेत करता है कि धर्म विशेष की आड़ में स्थानीय संस्कृति और पर्व-त्योहारों को दरकिनार किया जा रहा है। इससे न केवल विद्यार्थियों को अपने समाज की परंपराओं से दूर करने का खतरा है, बल्कि भविष्य में सामाजिक समरसता पर भी असर पड़ सकता है।

ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की नई पहल दीदी के गोठ रेडियो कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

कोण्डागांव। ग्रामीण अंचलों की महिलाओं को आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की राह पर आगे बढ़ाने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत रेडियो कार्यक्रम दीदी के गोठ का शुभारंभ किया गया। कोण्डागांव में जिला स्तरीय श्दीदी के गोठश् कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष कोण्डागांव में किया गया, जिसमें प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष, जनप्रतिनिधिगण, बड़ी संख्या में महिला स्व सहायता समूह की सदस्य व अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। दीदी के गोठ रेडियो कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भारत सरकार के केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने महिलाओं के आत्मविश्वास और मेहनत से प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में आए सकारात्मक बदलाव को रेखांकित किया। उनहोंने कहा कि दीदी के गोठ जैसी पहल महिलाओं की आवाज को घर-घर तक पहुंचाएगी। कार्यक्रम में बिहान योजना के दीदियों की कहानी उनी की जुबानी भी सुनाई गई। कि दीदी के गोठ का मुख्य उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को शासन की योजनाओं से जोडना, उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रेरित करना है। प्रदेश में वर्तमान में 2 लाख 74 हजार 828 महिला स्व सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनमें करीब 29 लाख 96 हजार 147 दीदी जुड़ी हुई हैं। इन समूहों के माध्यम से महिलाएं स्थिति सुधार रही हैं, बल्कि पूरे समाज को नई दिशा भी दे रही हैं। रेडियो कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों की उन सक्कल महिलाओं की कहानियाँ सुनाई जा रही हैं, हुए अपने दम पर आर्थिक जिन्होंने कठिनाइयों को पार करते मजबती और सामाजिक पहचान हासिल की। शर्मा ने कहा कि इन कहानियों से अन्य महिलाओं को भी प्रेरणा मिलेगी और उन्हें यह जानने का अवसर मिलेगा कि छत्तीसगढ़ की बिहान दीदी किस तरह नवाचार करते हुए नई मिसाल कायम कर रही है। छत्तीसगढ़ की हजारों महिलाएँ लखपति दीदीश् बन जीवन को बदल दिया है।

कलिंगा विश्वविद्यालय ने छत्तीसगढ़ में पहली बार DELNET क्षेत्रीय कार्यशाला की मेजबानी की

रायपुर। डेलनेट-डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क, नई दिल्ली ने कलिंगा विश्वविद्यालय, नया रायपुर के सहयोग से शनिवार, 30 अगस्त, 2025 को पुस्तकालयों, एलआईएस पेशेवरों और उपयोगकर्ताओं का परिवर्तन और सशक्तिकरण : उभरते रुझान विषय पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया।डेलनेट के बारे में - डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क, नई दिल्ली भारत में एक प्रमुख संसाधन साझा पुस्तकालय नेटवर्क है, जो भारत के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों तथा कुछ अन्य देशों के 9500 से अधिक संस्थानों को जोड़ता है, जिनमें विश्वविद्यालय, कॉलेज, अनुसंधान एवं विकास संगठन, चिकित्सा अस्पताल आदि शामिल हैं। डेलनेट का मुख्य उद्देश्य सूचना एकत्रित, संग्रहीत और प्रसारित करके तथा उपयोगकर्ताओं को नेटवर्क लाइब्रेरी सेवाएं प्रदान करके सदस्य पुस्तकालयों के बीच संसाधन साझाकरण को बढ़ावा देना; सूचना विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान करना, सदस्य पुस्तकालयों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करना; उपयुक्त संग्रह विकास के लिए प्रयासों का समन्वय करना; अंतर-पुस्तकालय ऋण और दस्तावेजों की डिलीवरी को सुविधाजनक बनाना और बढ़ावा देना आदि है। कार्यशाला का आयोजन नया रायपुर स्थित कलिंगा विश्वविद्यालय में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संदीप गांधी ने सत्र को आगे बढ़ाते हुए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने प्राचीन पुस्तकालयों और उस समय पुस्तकों के संग्रहण के तरीकों का उल्लेख किया। डॉ. गांधी द्वारा प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली पर प्रदान की गई अंतर्दृष्टि ने श्रोताओं को अपनी दीर्घकालिक ज्ञान प्रणाली पर गर्व से भर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर. श्रीधर, विशिष्ट अतिथि डेलनेट, नई दिल्ली की निदेशक डॉ. संगीता कौल, गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर के विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार शर्मा थे।

बैलाडीला ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा निकाली गई बाइक रैली

किरंदुल। बैलाडीला ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा सुबह 11:00 बजे बचेली एवम किरन्दुल नगर में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई।बचेली सिम्प्लेक्स नाले के समीप से रैली की शुरुआत की गई। जिसमें थाना प्रभारी बचेली द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली को रवानगी की गई। जिसके बाद रैली किरन्दुल रिंग रोड न. 04,बंगाली कैम्प, बस स्टैंड, बैंक चौक, फुटबॉल ग्राउंड, मिश्रा कैम्प होते हुए इमली ग्राउंड में रैली समापन हुई। एसोसिएशन के अध्यक्ष उस्मान खान ने कहा कि ट्रैफिक नियम का पालन करने, गाड़ी चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने, दुपहिया वाहन चलाते वक्त हेलमेट का उपयोग करने, शराब पीकर वाहन न चलाने हेतु रैली के माध्यम से संदेश दिया गया। इस मौके पर ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन के दंतेवाड़ा जिलाध्यक्ष राजू खरबंदा, सचिव हीरालाल निषाद, लक्ष्मण ओयाम,वीरेंद्र सोनी कांचा, इडिया मंडावी रोहित दुर्गा कृष्ण मरकाम कुस्ट बाग उपस्थित थे।

गोण्डीयन समाज ने राष्ट्रपति को सौंपा ज्ञापन, गोण्डवाना गढ़ किलाओं के संरक्षण और संवैधानिक अधिकारों की मांग

कवर्धा। गोण्डीयन समाज ने अपनी प्राचीन विरासत, गढ़-किलों और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को संबोधित करते हुए एक सामूहिक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन जिला कबीरधाम (छत्तीसगढ़) के जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि स्वतंत्रता के बाद भाषाई आधार पर राज्यों का गठन तो हुआ, परंतु गोण्डी भाषियों को उनका 'गोण्डवाना राज्य' नहीं मिला। इसके चलते गोण्डवाना साम्राज्य के ऐतिहासिक गढ़, किले और परंपराएं उपेक्षा का शिकार हो रही हैं।

प्रमुख मांगें - गढ़-किलों का संरक्षण व प्रबंधन गोण्डीयन समुदाय को सौंपा जाए। गोण्डी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए। गोण्डवाना राज्य का ऐतिहासिक राजचिह्न गज-सोडूम (हाथी पर सवार शेर) को संवैधानिक मान्यता दी जाए। कवर्धा का प्राचीन नाम 'कवधुरागढ़' पुनः स्थापित किया जाए। कंकालीन पचराही सहित पेनठाना, मड़वा महल, भोरमदेव, छेरकी महक जैसे स्थलों को गोण्डीयन समुदाय की संरक्षण में दिया जाए। आदिवासी संज्ञा को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया जाए।

स्थानीय विवाद और शिकायतें भी उठाई - प्रतापगढ़ (पंडरिया) स्थित प्राचीन गढ़-किलों पर बाहरी हस्तक्षेप और जबरन मूर्ति स्थापना की शिकायत की गई। 14 अगस्त को गढ़ के गेट का ताला तोड़कर वैदिक पद्धति से पूजा-पाठ कराने के मामले में जिम्मेदार पुलिस कर्मचारी पर कार्रवाई की मांग की गई। कबीरधाम जिले के कई गोण्डीयन परिवारों की भूमि कब्जा विवाद, फर्जी पट्टों, जाति प्रमाणपत्रों और मारपीट की घटनाओं पर भी संज्ञान लेने की अपील की गई। बोड़ला क्षेत्र के सलगी गांव में बॉक्साइट खदान से प्रभावित परिवारों को मुआवजा और पुनर्वास की मांग की गई।

समाज की पीड़ा - गोण्डीयन समाज का कहना है कि अन्य समुदायों की धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षण और ट्रस्ट प्रबंधन दिया गया, लेकिन गोण्डीयनों को अब तक उनका अधिकार नहीं मिला। इसके चलते उनकी प्राचीन पहचान, संस्कृति और इतिहास धीरे-धीरे विलुप्ति की ओर है।

हिंदू धर्म में महालक्ष्मी व्रत का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में महालक्ष्मी व्रत का विशेष महत्व है। महालक्ष्मी व्रत 16 दिनों तक रखे जाते हैं। भाद्रपद माह में शुक्ल पक्ष अष्टमी के दिन से श्री महालक्ष्मी व्रत आरंभ हो जाते हैं और आश्विन माह में कृष्ण पक्ष में अष्टमी तिथि को यह व्रत संपन्न होते हैं। मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने और जीवन में सुख-समृद्धि प्राप्त करने के लिए श्री महालक्ष्मी व्रत किया जाता है। इस व्रत में मां लक्ष्मी की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने से उनकी कृपा बनी रहती है। समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इस व्रत में अन्न ग्रहण नहीं किया जाता है। 16वें दिन महालक्ष्मी व्रत का उद्यापन किया जाता है। इस व्रत को काफी शुभ माना जाता है। मान्यता है कि जिस घर की महिलाएं इस व्रत को रखती हैं, उस घर में पारिवारिक शांति हमेशा बनी रहती है। इस साल महालक्ष्मी व्रत 31 अगस्त 2025 से शुरू हो जाएंगे और संपूर्ण 14 सितंबर 2025 को होंगे।

इस व्रत में सोलह बार तर्पण, सोलह दीपक, सोलह बोल की कहानी, सोलह श्रृंगार, सोलह दिन का व्रत, सोलह दूर्वा, सोलह डुबकी लगाने का विधान है।

प्रदोष काल में की जाती है पूजा

इस व्रत में प्रदोष काल में की गई पूजा को शुभ बताया गया है।

मां लक्ष्मी पूजन की सामग्री :

महालक्ष्मी व्रत के दौरान पूजा के लिए कलश, घी, दीपक, फल-फूल,सुपारी, हल्दी की गांठ, रोली, कुमकुम, कपूर, पंचामृत, पान,लाल कपड़ा, 16 श्रृंगार की सामग्री, धूपबत्ती, नारियल, खीर, समेत पूजा की सभी सामग्री एकत्रित कर लें।

श्रीमहालक्ष्मी व्रत में सोलह का विशेष महत्व

महालक्ष्मी व्रत के नियम :

महालक्ष्मी का व्रत 16 दिनों के लिए किया जाता है। इस दौरान खट्टी और नमक वाली चीजों के सेवन की मनाही होती है। इसके साथ ही 16 दिनों तक सुबह-शाम मां लक्ष्मी की पूजा-आराधना करें। महालक्ष्मी व्रत में व्रती के साथ परिवार के सदस्यों को भी तामसिक भोजन का सेवन न करें। केवल सात्विक भोजन करें।

कितनी होगी उम्र

यही भी कहा जाता है कि व्यक्ति की ब्रेसलेट लाइन जितनी लंबी होती है। उसकी आयु उतनी ही लंबी होती है। आमतौर पर व्यक्ति की कलाई पर 2-3 ब्रेसलेट लाइन होती है। मान्यता है कि जिन लोगों की कलाई पर 3 ब्रेसलेट लाइन है। ऐसे लोगों का स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहता है। जीनव सुख-सुविधाओं में व्यतीत होता है। ऐसे व्यक्ति की आयु लगभग 75 वर्ष मानी जाती है। वहीं, जिन लोगों के कलाई पर 2 ब्रेसलेट लाइन होती है। मान्यता है कि ऐसे लोगों की उम्र 50 साल तक हो सकती है। वहीं, 4 ब्रेसलेट लाइन वाले व्यक्ति को बहुत सौभाग्यशाली माना गया है। मान्यता है कि ऐसे लोग दीर्घायु होते हैं।

कलाई की रेखाएं क्या देती हैं संकेत?

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, व्यक्ति की हथेली पर मौजूद रेखाओं और चिन्हों का किस्मत के साथ गहरा कनेक्शन होता है। व्यक्ति के हाथ की रेखा,चिन्ह और उंगलियों की बनावट के माध्यम से प्रेम, कैरियर, स्वास्थ्य समेत जीवन के विभिन्न पहलुओं से जुड़े कई शुभ-अशुभ घटनाओं के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। हथेली पर मौजूद रेखाओं के अलावा कलाई की रेखाएं भी व्यक्ति से जुड़े कुछ विशेष पहलुओं की ओर इशारा करती हैं।

हाथ की हथेली और कलाई जहां पर जुड़ती है, वहां मौजूद रेखाओं को ब्रेसलेट लाइन कहा जाता है।

ब्रेसलेट लाइन को व्यक्ति की आयु से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि ब्रेसलेट लाइन जितनी गहरी और स्पष्ट होती है व्यक्ति उतना ही हेल्दी होता है। आइए जानते हैं ब्रेसलेट लाइन के बारे में कुछ विशेष बातें...

अच्छे हेल्थ का संकेत मान्यता है कि यदि कलाई की पहली रेखा साफ और सीधी है। किसी भी तरह से कटी-फटी नहीं है, तो इसका मतलब है कि व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। वहीं,कटी-फटी और धुंधली रेखा खराब स्वास्थ्य का संकेत मानी जाती है।

मेहंदी का रंग नहीं चढ़ता गाढ़ा तो अपनाएं ये कमाल के टिप्स

त्यो हारों पर महिलाएं एक से बढ़कर एक खूबसूरत डिजाइन हाथों-पैरों पर लगवाती हैं। लेकिन मेहंदी छुड़ाने के बाद अगर इसका रंग गाढ़ा नहीं चढ़ता तो बहुत बुरा लगता है। खासतौर पर अगर किसी लड़की की शादी होने वाली है और उसके हाथों पर मेहंदी का रंग गाढ़ा नहीं चढ़ता है तो सबसे ज्यादा खराब लगता है। मेहंदी के रंग को गाढ़ा करने और लंबे समय तक इस रंग को बरकरार रखने के लिए इन आसान से घरेलू टिप्स को आजमाएं। जिनकी मदद से मेहंदी ना केवल गाढ़ी चढ़ती है बल्कि उसका रंग भी जल्दी नहीं उतरता है।

लौंग की भाप

लौंग को लोहे के तवे पर रखकर गर्म करने से जो भाप निकलती है। उसमे हाथ-पैर की सिंकाई करें। ऐसा करने से भी मेहंदी का रंग काला होने में मदद मिलती है और रंग कई दिनों तक चढ़ा रहता है।

मेहंदी का तेल

मार्केट में आसानी से मेहंदी का तेल मिल जाता है। इस तेल को लगाने से भी मेहंदी का रंग गाढ़ा चढ़ता है और आसानी से नहीं छूटता। तो करवा चौथ पर या वेडिंग सीजन में हाथों पर मेहंदी सजाने वाली हैं तो रंग गाढ़ा करने के इन कमाल के टिप्स को जरूर आजमाकर देखें। मेहंदी का रंग लंबे समय तक टिका रहेगा।

विक्स लगाएं

काफी सारे मेहंदी आर्टिस्ट बताते हैं कि मेहंदी लगाने के बाद जब ये पूरी तरह से सूख जाए तो उसके ऊपर विक्स लगा लेनी चाहिए। विक्स में नीलगिरी का तेल जैसे इंग्रीडिएंट्स मौजूद होते हैं। जो मेहंदी के रंग को गाढ़ा करने में मदद करते हैं।

सरसों का तेल

सरसों के तेल को मेहंदी सुखाने के बाद हाथों-पैरों पर लगाने से भी रंग गाढ़ा चढ़ता है और मेंहदी लंबे समय तक टिकी रहती है।

लगाएं पेनकिलर स्प्रे

कुछ मेहंदी आर्टिस्ट इस नुस्खे को आजमाते हैं और वोलिन जैसे पेनकिलर स्प्रे को मेहंदी सूखने के बाद स्प्रे करते हैं। जिससे मेहंदी का रंग गाढ़ा चढ़ता है।

खाने में बटर का इस्तेमाल करने से पहले जानें ये टिप्स

1) हीट लेवल को देखें- मक्खन के जलने के पीछे मुख्य कारणों में से एक बहुत ज्यादा हीट लेवल है। ऐसे में जब भी आप इसे इस्तेमाल करें तो अपने पैन को मध्यम आंच पर गर्म करें और फिर मक्खन डालें। मक्खन के पिघलते समय उसे देखते रहें। ज्यादा तेज आंच पर इसे न रखें क्योंकि मक्खन बहुत जल्दी भूरा हो सकता है और जल सकता है।

2) तेल के साथ करें मिक्स - इसे जलने से रोकने के लिए मक्खन को पिघलाने से पहले पैन में जरा सा तेल का डालें। तेल मक्खन को सुरक्षित रखने में मदद करता है और जलने से कुछ हद तक बचा सकता है। आप किसी भी वेजिटेबल ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं इससे स्वाद खराब नहीं होगा।

3) मक्खन के रंग को देखें - जैसे-जैसे मक्खन गर्म होता है, यह झाग बनने और भूरा होने लगता है। मक्खन के पिघलते समय उसके रंग और सुगंध पर कड़ी नजर रखें। जब मक्खन हल्के सुनहरे भूरे रंग का होने लगे, तो इसे आंच से उतारें।

अध्ययन के लिए लंबे समय तक ध्यान और एकाग्रता जरूरी

माता- पिता अकसर अपने बच्चों की इस आदत से परेशान रहते हैं कि एग्जाम टाइम में पढ़ने के लिए बैठते ही उनकी आंखों में नींद भर जाती है, लेकिन यही बच्चा घंटों टीवी या मोबाइल को बिना पलक झपकाए टकटकी लगाए देखता रहता है। अगर आपकी भी अपने बच्चे से यही शिकायत है,तो उसे बिना डांटे-मारे ये कुछ पेरेंटिंग टिप्स अपनाकर अपनी इस शिकायत को दूर कर सकते हैं। दरअसल, बच्चों का मन बेहद चंचल होता है। ऐसे में उनका पढ़ाई के बीच में से बार-बार उठना या ध्यान भटकाना स्वाभाविक होता है। उन्हें एक अच्छे अध्ययन के लिए लंबे समय तक ध्यान और एकाग्रता की आवश्यकता होती है। आइए आज के पेरेंटिंग टिप्स में जानते हैं बच्चे को पढ़ाई के बीच में नींद लेने से कैसे रोका जा सकता है।

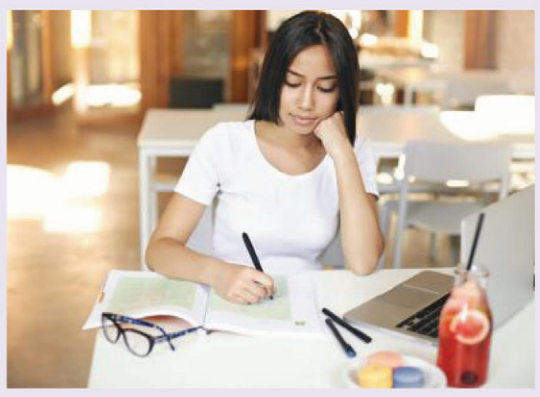

बच्चे के नींद लेने के घंटों का एक रूटीन सेट करें

बच्चे के शरीर में ऊर्जा का स्तर अच्छा बनाए रखने के लिए सबसे पहले उसकी नींद का शेड्यूल तय करें। इसके लिए बच्चे का टाइम टेबल ऐसा बनाएं, जिसमें उसके उठने और सोने का एक निश्चित समय तय हो। ऐसा करने से बच्चे के शरीर की आंतरिक घड़ी को विनियमित करने में मदद मिलती है, जिससे बच्चे की नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है। बच्चे के साथ अपनाया गया ये उपाय पढ़ाई के दौरान उसे नींद आने की संभावना को कम कर सकता है।

नियमित समय पर ब्रेक लें

लंबे समय तक बिना ब्रेक लिए लगातार पढ़ने से बच्चे को मानसिक थकान और नींद आ सकती है। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने के लिए पोमोडोरो तकनीक का उपयोग करें। इस तकनीक में 25 मिनट तक अध्ययन करने के बाद 5 मिनट का ब्रेक लें। ब्रेक के दौरान बॉडी में एनर्जी लेवल बनाए रखने के लिए स्ट्रेच करें या घर का एक चक्कर लगाकर आ जाएं।

हेल्दी डाइट के साथ हाइड्रेटेड भी रहें

शरीर में पानी की कमी और अनहेल्दी भोजन करने से बच्चे को थकन महसूस हो सकती है। ऐसे में अध्ययन करते समय बीच-बीच में खूब पानी पिएं स्नैक्स में नट्स, फल या दही जैसी चीजों को शामिल करें। पढ़ने से पहले कभी भी कार्ब रिच फूड का सेवन ना करें। ऐसा भोजन करने से आपको सुस्ती और नींद आ सकती है।

जानें निगेटिव विचारों को कैसे करें दूर

हमारे मन में अक्सर अच्छे-बुरे ख्याल चलते रहते हैं, लेकिन क्या आप भी उन लोगों में से हैं जो बुरे विचारों को खत्म करके सिर्फ अच्छे विचारों को अपने दिमाग में रखना चाहते हैं? तो आपको सद्गुरू की इस बात को मान लेना चाहिए। अपनी एक पुरानी वीडियो में सद्गुरी ने निगेटिव विचारों कों खत्म करने के बारे में बताया है।

क्या कहते हैं सदगुरू

कुछ लोग अपने दिमाग से निगेटिव विचारों को हटाकर सिर्फ पॉजिटिव विचारों पर ध्यान देने की कोशिश करते हैं। हालांकि, सदगुरू का कहना है जब आप किसी चीज को जबरदस्ती करने की कोशिश करते हैं तो आप उसके बारे में कई गुणा ज्यादा सोचने लगते हैं। सदगुरु कहते हैं कि आप जिस चीज को अपनी लाइफ से मिटाना चाहते हैं वह आपकी क्वालिटी बन सकता है और आप फिर हमेशा उसके ही बारे में सोचेंगे।

दिमाग के काम करने के तरीके को समझें

सद्गुरु का मानना है कि अगर आप दिमाग से किसी भी चीज को निकालने की कोशिश करते हैं तो सबसे पहले दिमाग के काम करने के तरीके को समझें। उनका कहना है कि हमारे दिमाग में घटाने या फिर भाग करने जैसा कुछ नहीं है बल्कि सिर्फ जोड़ना और गुणा करना है। जब आप कुछ करने का सोचते हैं तो ये आपसे काम को एक बार और करने को कहेगा। अगर आप कड़ी मेहनत करेंगे तो यह और भी ज्यादा हो जाएगा। इस तरह के दिमाग के साथ आप ये नहीं पहचान पाएंगे की क्या निगेटिव है और क्या पॉजिटिव। इसके लिए आपको ये समझना होगा की ये दिमाग आपकी सेवा में है।

जीवन का करें अनुभव सद्गुरु कहते हैं कि जब आप अपनी आंखें बंद करते हैं तो आप खुद को नहीं देख सकते हैं लेकिन इसका मतलब ये नहीं की आपका अस्तित्व खो नहीं जाता है। अपने भावनाओं और विचारों से परे भी आप मौजूद हैं। तो जो जीवन आप हैं उसका अनुभव करने की जरूरत है। वह कहते हैं कि जीवन का सबसे जरूरी पहलू ये हैं कि आप और मैं इस समय जीवित हैं।

सुबह की सैर स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी

सुबह की सैर हमारे शारीरिक,मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी मानी जाती है। यह एक साधारण क्रिया दिख सकती है, लेकिन इसके पीछे गहरे वैज्ञानिक और आध्यात्मिक कारण छिपे होते हैं। दोनों दृष्टिकोणों से सुबह की सैर की महत्ता को समझने के लिए आइए इसे विस्तार से जानें।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण

वैज्ञानिक रूप से सुबह की सैर को स्वस्थ जीवनशैली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। सुबह के समय हवा शुद्ध होती है, जिसमें ऑक्सीजन का स्तर उच्च होता है और प्रदूषण कम होता है। यह हमारे श्वसन तंत्र के लिए बेहद लाभकारी होता है।

शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव:

हृदय स्वास्थ्य: सुबह की सैर से हृदय की धड़कन सामान्य रहती है और रक्त संचार में सुधार होता है, जिससे हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है।

मांसपेशियों की मजबूती:

लगातार चलने से शरीर की मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं, जो शारीरिक मजबूती और सहनशक्ति को बढ़ाती हैं।

मधुमेह और मोटापा:

नियमित रूप से सुबह की सैर करने से रक्त शर्करा का स्तर नियंत्रित रहता है और वजन घटाने में मदद मिलती है। यह मधुमेह और मोटापे जैसे रोगों के नियंत्रण में सहायक है।

मस्तिष्क पर प्रभाव:

सुबह की सैर से मस्तिष्क में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। यह अवसाद और चिंता के लक्षणों को कम करने में मदद करता है।

मन और मस्तिष्क के लिए लाभ:

सुबह की ताजी हवा में टहलने से मस्तिष्क में एंडोर्फिन जैसे रसायनों का स्राव होता है, जो "फील गुड" हार्मोन माने जाते हैं। यह तनाव को कम करने और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने में सहायक होता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि सुबह की सैर से नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है और मनुष्य की उत्पादकता बढ़ती है।

आध्यात्मिक दृष्टिकोण

आध्यात्मिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो सुबह की सैर न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करती है, बल्कि आत्मा और मन को भी शांति प्रदान करती है।

1. प्रकृति के साथ सामंजस्य:

सुबह का समय सबसे शांत और पवित्र माना जाता है। यह वह समय होता है जब सारा वातावरण शांत रहता है और प्रकृति अपनी पूरी सुंदरता में खिली होती है। सुबह की सैर के दौरान हम प्रकृति से जुड़ते हैं और उसके साथ एक गहरा संबंध स्थापित करते हैं। भारतीय योग और वेदों में बताया गया है कि प्रात :काल में सूर्योदय के समय चलना मन और आत्मा को शुद्ध करता है।

2. ध्यान और ध्यानपूर्वक चलना:

सुबह की सैर को ध्यान की एक क्रिया के रूप में भी देखा जा सकता है। जब हम शांत मन से चलने के दौरान अपनी श्वास-प्रश्वास पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो यह ध्यान की स्थिति उत्पन्न कर सकती है। इससे व्यक्ति के विचारों की स्पष्टता बढ़ती है और मानसिक संतुलन प्राप्त होता है। आध्यात्मिक गुरुओं का मानना है कि सुबह की सैर से व्यक्ति अपने अंदर की शांति को पहचानने में सक्षम होता है।

3. आध्यात्मिक ऊर्जा का संग्रह:

भारत में प्राचीन काल से कहा गया है कि ब्रह्म मुहूर्त (सुबह 4 से 6 बजे के बीच का समय) आत्मा के शुद्धिकरण के लिए सबसे उपयुक्त होता है। इस समय वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिसे हम सुबह की सैर के दौरान ग्रहण कर सकते हैं। यह ऊर्जा दिनभर हमें शक्ति और स्फूर्ति प्रदान करती है।

सुबह की सैर के फायदों को समझने के बाद यह जानना भी आवश्यक है कि कितना पैदल चलना उचित होता है ताकि इसका अधिकतम लाभ मिल सके। विभिन्न अध्ययनों और विशेषज्ञों की राय के अनुसार, सुबह की सैर का सही तरीका और समय भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कितना पैदल चलना चाहिए?

1. समय और दूरी: स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, प्रतिदिन 30 से 45 मिनट की सैर पर्याप्त होती है। यह लगभग 3 से 5 किलोमीटर की दूरी तय करने के बराबर होता है, जो स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आदर्श मानी जाती है। शुरुआती दिनों में 15 से 20 मिनट तक चलने से शुरू करना ठीक होता है और धीरे-धीरे इसे बढ़ाकर 30-45 मिनट तक ले जाना चाहिए।

2. गति: सैर की गति भी महत्वपूर्ण होती है। मध्यम गति से चलना, यानी न बहुत तेज और न बहुत धीमी चाल, स्वास्थ्य के लिए सबसे लाभकारी माना जाता है। लगभग 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलना अच्छा होता है। इससे हृदय और श्वसन तंत्र पर बेहतर प्रभाव पड़ता है।

3. रोजाना सैर की आवृत्ति: सप्ताह में कम से कम 5 दिन सुबह की सैर करने की सलाह दी जाती है। इससे शरीर में एक नियमित दिनचर्या का विकास होता है, जो स्वास्थ्य के दीर्घकालिक लाभों के लिए आवश्यक है। हालाँकि, यह ध्यान रखना चाहिए कि अगर किसी व्यक्ति को किसी विशेष स्वास्थ्य समस्या (जैसे हृदय रोग, घुटने की समस्या) है, तो उन्हें डॉक्टर की सलाह से अपनी सैर की दिनचर्या तय करनी चाहिए।

4. व्यक्तिगत स्वास्थ्य के अनुसार सैर: किसी व्यक्ति की शारीरिक क्षमता, उम्र और स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर सैर का समय और दूरी बदल सकती है। वरिष्ठ नागरिकों या कमजोर लोगों को छोटी दूरी से शुरुआत करनी चाहिए और धीरे-धीरे इसे बढ़ाना चाहिए।

वहीं, युवा और स्वस्थ लोगों को थोड़ा और अधिक समय निकालने का प्रयास करना चाहिए ताकि उनका शरीर सही तरीके से फिट रहे।

आश्वासन देकर भूला निगम : 15 दिन बीते दुकानदार बोले...त्यौहारी सीजन और आर्थिक संकट

फ्लाईओवर के नीचे से हटाए गए दुकानदारों को व्यवस्थापन नहीं मिला, बढ़ा आक्रोश

राजनांदगांव। हाइवे पर फ्लाईओवर के नीचे लगी दुकानों पर कार्रवाई कर नगर निगम ने हटा दिया। इसके बाद दुकानदारों को 15 दिनों के भीतर व्यवस्थापन देने का आश्वासन भी दिया गया। लेकिन महीनेभर से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी व्यवस्थापन नहीं दिया गया है। इसे लेकर सोमवार को कांग्रेस नेताओं के साथ दुकानदर नगर निगम पहुंचे। उन्होंने कहा कि दुकान बंद हो चुकी है। त्यौहार का समय शुरू हो चुका है, ऐसे में उनके परिवार के सामने आर्थिक संकट आ चुका है। जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और नगर निगम की संयुक्त टीम शहर के अलग-अलग हिस्सों में कार्रवाई कर कब्जाधारियों को हटाने का काम कर रही है। सबसे अधिक दुकानें फ्लाईओवर के नीचे से हटाई गई। इसकी संख्या 100 के करीब है। सभी छोटे दुकानदार थे और उससे ही उनके परिवार की आजीविका चलती थी। लेकिन अतिक्रमण के नाम पर उनकी दुकानें हटा दी गई। इसे लेकर दुकानदारों में आक्रोश पनप गया है। पहले भी वे कांग्रेस नेताओं के साथ प्रदर्शन कर चुके हैं। तब 15 दिनों के भीतर व्यवस्थापन देने की बात कही गई। लेकिन अब ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कांग्रेस शहर अध्यक्ष कुलबीर छाबड़ा ने कहा कि दुकानदारों को व्यवस्थापन दिया जाना चाहिए, ताकि उन्हें इस तरह आर्थिक समस्या से न जूझना पड़े। उन्होंने कहा कि जानबूझकर छोटे दुकानदारों को टारगेट किया जा रहा है। श्री छाबड़ा ने फ्लाईओवर के नीचे बैडमिंटन कोर्ट बनाने का भी विरोध दर्ज किया। नगर निगम के अधिकारियों के समक्ष उन्होंने कहा कि यह हिस्सा नेशनल हाइवे का है, इस पर नगर निगम कैसे निर्माण कर सकता है, यदि इसकी अनुमति ली गई है तो उसे सार्वजनिक किया जाए।

नगर निगम ने हर दिन की पर्ची काटी, फिर कब्जा कैसे

फ्लाईओवर के नीचे जिन दुकानदारों को कब्जा बताकर हटाया गया है। उनका कहना है कि नगर निगम हर दुकानदार से हर दिन 50 रुपए लेकर पर्ची देता था। अब उन्हें अतिक्रमण बताकर हटाया गया है। यह कितना जायज है। दुकानदारों ने कहा कि जिन जगहों पर उनकी दुकानें लगती थी, वहीं स्थान तय कर दिया जाए। ताकि आजीविका चलती रहे।

वर्षों से शौचालय की मांग कर रहे नंदिनी रोड के व्यापारी

यूरिनल के लिए परेशान होते हैं ग्राहक और व्यापारी

महिलाओं को खासी दिक्कतों का करना पड़ता है सामना

व्यापारियों की मांग को नजर अंदाज कर रहा निगम प्रशासन

भिलाई। शहर के सबसे पुराने मार्केट नंदिनी रोड पावर हाउस के व्यापारी पिछले कई वर्षों से सुलभ शौचालय की मांग को लेकर परेशान है इस बड़े बाजार में एक भी सुलभ नहीं होने से व्यापारियों के साथ-साथ यहां खरीदी करने आए ग्राहकों को भी खासा परेशान होना पड़ता है विशेष कर महिलाएं को, सुलभ शौचालय की मांग व्यापारियों द्वारा वर्षों से जिम्मेदार विभागों से की जाती रही है लेकिन इस समस्या का अब तक समाधान नहीं हो सका है नगर निगम द्वारा अनेक स्थानों में सुलभ शौचालय का निर्माण किया गया है जिसमें पिंक टॉयलेट भी शामिल हैं लेकिन निर्माण होने के बावजूद महिलाओं के लिए बने पिंक टॉयलेट को अब तक शुरू नहीं किया जा सकता है। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के प्रदेश मंत्री मनोहर कृष्णानी ने बताया कि नंदिनी रोड में प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्राहक विभिन्न उत्पादों की खरीदी करने पहुंचते हैं इनमें महिलाएं भी शामिल रहती हैं लेकिन सुलभ शौचालय के अभाव में महिलाओ और पुरुषों के साथ-साथ व्यापारियों को भी अच्छा खासा परेशान होना पड़ता है इसकी मांग वर्षों से की जा रही है लेकिन अब तक यहां सुलभ शौचालय का निर्माण नहीं किया जा सका है जबकि यह वर्षों पुराना मार्केट है। वही सर्कुलर मार्केट में भी एक सुलभ शौचालय का निर्माण कार्य शुरू किया गया है जो महीनो बीतने के बाद भी पूरा नहीं हो सका है।

मंदिर के नाम पर हो रहे कब्जे को तोड़ा

लोगों ने कार्रवाई में भेदभाव का लगाया आरोप

जवाहर नगर इंडोर स्टेडियम के समीप निगम की कार्रवाई

यहां बने हैं मंदिर और कई समाज के भवन

भिलाई। जवाहर नगर इंडोर स्टेडियम के समीप कई समाजों के भवन और मंदिरों का निर्माण काफी लंबे वक्त से किया गया है। पहले इस स्थल में विवाद की स्थिति भी निर्मित होती थी क्योंकि यहां जमीन कब्जाने लोगों में होड़ लगे रहती थी पूर्व में निगम द्वारा कार्रवाई भी की गई थी लेकिन निगम की कार्रवाई अवैध निर्माण को लेकर पिछले काफी वक्त से यहां बंद है। नगर निगम जोन 2 के अधिकारियों को जानकारी मिली थी कि यहां फिर से अवैध निर्माण किया जा रहा है इसके बाद मौके पर जोन आयुक्त और राजस्व विभाग की टीम पहुंची। निगम अधिकारियों और मंदिर समिति के लोगों के बीच काफी देर तक बहस भी होते रही अंततः निगम के अधिकारियों के निर्देश पर निगम के जेसीबी चालक द्वारा यहां कब्जे को हटाने कार्रवाई की गई। लोगों का कहना था कि निगम द्वारा केवल हमारे स्थल को निशाना बनाया जा रहा है अन्य जो अवैध निर्माण हुए हैं उसे नजरअंदाज किया जा रहा है। यदि निगम को कार्रवाई करनी ही है तो सभी पर एक समान कार्रवाई करें। इस अभियान की जानकारी नगर निगम जोन 2 के सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे ने दी।

समाजसेवी इंद्रजीत सिंह ने विभिन्न गणेश पंडालों में किए दर्शन, लिया आशीर्वाद

धार्मिक आस्था के साथ समाजिक सौहार्द और एकता का संदेश

दुर्ग। वरिष्ठ एवं युवा समाजसेवी इंद्रजीत सिंह ने गणेश उत्सव के अवसर पर शहर के विभिन्न गणेश पंडालों में पहुंचकर भगवान श्री गणेश जी महाराज का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने समिति के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं से मुलाकात की और उत्सव में शामिल होकर भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

कुरुद रोड कोहका से रामनगर तक किया भ्रमण-इंद्रजीत सिंह ने सबसे पहले सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति, कुरुद रोड कोहका में पहुंचकर गणेश जी की पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने माँ आदिशक्ति गणेश उत्सव सेवा समिति, आर्यनगर दुर्गा मंदिर कोहका, नवयुवक संघर्ष गणेश उत्सव समिति, भाटापारा कुरुद, व्यापारी एकता गणेश उत्सव समिति, आकाश गंगा हिमालय कॉम्प्लेक्स और अंत में सर्वधर्म एकता गणेश उत्सव समिति, रामनगर में दर्शन किए।

युवाओं और व्यापारियों से हुई मुलाकात-भ्रमण के दौरान विभिन्न समितियों ने उनका स्वागत किया। नवयुवक संघर्ष समिति में युवाओं से मुलाकात कर उन्होंने कहा - ÷युवाओं की ऊर्जा और आस्था ही समाज की असली ताकत है। गणेश उत्सव हमें अनुशासन, सहयोग और सेवा की प्रेरणा देता है। व्यापारी एकता समिति में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए बोले -व्यापार और सेवा, दोनों में ईमानदारी जरूरी है। गणपति बप्पा की कृपा से हर कार्य सफल होता है। वहीं सर्वधर्म एकता समिति में उन्होंने कहा -छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी पहचान इसकी भाईचारा और विविधता में एकता है। गणेश उत्सव इसी सौहार्द को मजबूत करता है।

समाज सेवा को बताया सच्ची पूजा-इंद्रजीत सिंह (छोटू भइया) ने समितियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा - समाज सेवा ही सच्ची पूजा है। जब तक हमारे आसपास कोई दुखी या जरूरतमंद है, तब तक हमारी जिम्मेदारी खत्म नहीं होती। उन्होंने आगे कहा -गणपति बप्पा का आशीर्वाद लेकर मैं समाज की भलाई और विकास के लिए और अधिक समर्पित रहूंगा।भक्तों में दिखा उत्साह-इंद्रजीत सिंह के आगमन से विभिन्न पंडालों में भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिला। लोगों ने उनके साथ फोटो खिंचवाए और उन्हें समाज सेवा के लिए प्रेरणास्रोत बताया। श्रद्धालुओं ने कहा कि उनके जैसे समाजसेवियों की सक्रियता से समाज में सकारात्मक सोच और भाईचारा मजबूत होता है।

सकारात्मक संदेश के साथ हुआ दौरा समाप्त-गणेश उत्सव के अवसर पर इंद्रजीत सिंह (छोटू) का यह दौरा धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकजुटता और सकारात्मक वातावरण का प्रतीक बन गया। उनके द्वारा दिए गए संदेशों ने लोगों के बीच समाज सेवा और एकता की भावना को और मजबूत किया।

मालवीय नगर नाले में पाइप लाइन का बड़ा लिकेज सुधारने, 2 सितम्बर 24 एमएलडी फिल्टर प्लांट से संबंधित टंकियों में रहेगा जलप्रदाय प्रभावित

03 सितम्बर को जलप्रदाय प्रभावित क्षेत्रो में हो जाएगा सामान्य

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र के यामाहा शो-रूम के पास मालवीय नगर नाले से होकर बिछी 600 एमएम डाया की क्लीयर वॉटर पाइप लाइन में बड़ी लिकेज की समस्या सामने आई है। इस वजह से 24 एमएलडी फिल्टर प्लांट से संबंधित शहर की टंकियां पूरी क्षमता से भर नहीं पा रही हैं। नतीजतन कई मोहल्लों में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है।चूंकि यह लिकेज कुछ समय से और अधिक बढ़ता जा रहा है तथा कार्य की दृष्टि मौसम अब अनुकूल होने चलते इस कार्य को निगम प्रशासन के जलगृह विभाग ने प्राथमिकता से लेते हुए 2 सितम्बर को पाइप लाइन की मरम्मत का निर्णय लिया है। 2 सितम्बर को होगा रिपेयर कार्य-निगम अधिकारियों ने जानकारी दी कि पाइप लाइन की मरम्मत मंगलवार, 2 सितम्बर को सुबह पानी की आपूर्ति के बाद की जाएगी। मरम्मत कार्य पूरा होने तक संबंधित क्षेत्रों में जलप्रदाय बाधित रहेगा।**इन टंकियों से जुड़े क्षेत्र होंगे प्रभावित**-मरम्मत कार्य के चलते कई प्रमुख पानी टंकियों से जुड़ी कॉलोनियों और बस्तियों में जल आपूर्ति बाधित रहेगी। प्रभावित टंकियां इस प्रकार हैं. पद्मनाभपुर पानी टंकी,शक्ति नगर पानी टंकी,हनुमान नगर पानी टंकी,शंकर नगर पानी टंकी के अलावा गिरधारी नगर पानी टंकी और शनिचरी बाजार पानी टंकी इन इलाकों में रहने वाले लोगों को इस दौरान पानी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। नागरिकों को पानी स्टोर करने की अपील-नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते 2 सितम्बर के पूर्व अपने घरों में पर्याप्त मात्रा में पानी स्टोर करके रखें। अधिकारियों ने बताया कि मरम्मत के कारण प्रथम पाली में जल प्रदाय के बाद पानी आपूर्ति प्रभावित रहेगी, इसलिए पहले से की गई तैयारी ही राहत दे सकती है। 3 सितम्बर को जलप्रदाय सामान्य से हो जाएगा..

आवश्यकता पड़ने पर टैंकर सुविधा उपलब्ध रहेगा।

ऑपरेशन सुरक्षा : शराबी बस चालक पर त्वरित कार्रवाई, 35 यात्रियों की जान बची, संदिग्ध तरीके से चल रही बस रोकी गई

दुर्ग। पिपरछेड़ी बायपास, राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात पुलिस दुर्ग की इंटरसेप्टर टीम ने रायपुर से डोंगरगढ़ की ओर जा रही यात्री बस को रोका। बस संदिग्ध रूप से लहराते हुए चलाई जा रही थी, जिससे यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की गई। जांच में चालक शराबी पाया गया. ब्रीथ एनालाइज़र से जांच करने पर चालक के भारी मात्रा में शराब सेवन करने की पुष्टि हुई। चालक का विवरण इस प्रकार है -नामः राजू लाल पताः पाटन, जिला दुर्ग, बस मालिक की जानकारी,वाहन स्वामी का विवरण -नामः मोहम्मद तौकिर, पिता - मोहम्मद सुनहार खान, निवासीः गांधी नगर, कालीबाड़ी, रायपुर, यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि, बस में उस समय 30 से 35 यात्री सवार थे। सभी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु बस को यातायात कार्यालय, नेहरू नगर, दुर्ग लाया गया।

कानूनी कार्रवाई-चालक के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम की धारा 3/181 एवं 185 के अंतर्गत -बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन संचालन, नशे की हालत में वाहन चलाने के अपराध पर विधिसम्मत चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही वाहन को जब्त कर अग्रिम कार्यवाही हेतु न्यायालय प्रेषित किया गया।

समय रहते टली बड़ी दुर्घटना-यातायात पुलिस की त्वरित कार्रवाई से संभावित गंभीर सड़क हादसा टल गया और सभी यात्रियों की जान सुरक्षित रही। यह कदम ऑपरेशन सुरक्षा अभियान के तहत मानव जीवन की रक्षा और सड़क पर सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में एक ठोस प्रयास है।

सार्वजनिक अपील - यातायात पुलिस दुर्ग, नशे की हालत में कभी वाहन न चलाएँ। बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाहन संचालन न करें। सड़क पर अपनी और दूसरों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानकर यातायात नियमों का पालन करें।

दूषित पानी की शिकायत लेकर लोग पहुंचे निगम

निगम आयुक्त ने स्थल निरीक्षण करने का दिया आश्वासन

समस्या का समाधान नहीं होने पर आमरण अनशन करेंगे लोग

प्रदर्शन को देख मौके पर पहुंची पुलिस

भिलाई। कैंप एक और कैंप दो श्याम नगर के पीछे निवासरत लोगों को दूषित पानी की सप्लाई लंबे समय से होने से रहवासियों ने छत्तीसगढ़ शिवसेना के नेतृत्व में व्यवस्था में सुधार करने भिलाई निगम के आयुक्त राजीव कुमार पांडे से मिलकर गुहार लगाई है। आयुक्त मीटिंग में होने के चलते नहीं मिले तो निगम आए लोगों द्वारा प्रदर्शन करना शुरू कर दिया गया इस पर निगम आयुक्त द्वारा पुलिस बल को बुलाकर व्यवस्था में सुधार करने का कार्य किया गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों से मुलाकात करने के बाद आयुक्त ने कहा कि स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्था में सुधार किया जाएगा। श्याम नगर और आसपास के क्षेत्र में लंबे वक्त से दूषित पानी की सप्लाई होने से लोग पीलिया एवं संक्रामक रोगों से त्रस्त हो गए हैं। लगातार समस्या बताएं जाने के बावजूद कोई निराकरण नहीं होता देख लोगों ने निगम मुख्यालय में दूषित पानी की समस्या को लेकर प्रदर्शन किया। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि अगर तीन दिनों के भीतर दूषित पानी की समस्या का समाधान नहीं होता तो छत्तीसगढ़ शिवसेना के बैनर तले आमरण अनशन किया जाएगा। जिसके लिए दोषी नगर निगम प्रशासन होगा इस अवसर पर काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

फिजिकल फिट रहने की सबसे ज्यादा जरूरत,सांसद विजय बघेल

फिट इंडिया मूवमेंट से जोड़ने निकाली साइकिल रैली, बीएसपी साइकलिंग क्लब 29 सप्ताह से चला रहा अभियान

लोगों ने कहा स्वस्थ रहने खेल और साइकलिंग से जुड़ेंगे

भिलाई। फिट इंडिया मूवमेंट को आगे बढाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार लोगों से फिट रहने का आह्वान कर रहे हैं। इसी कड़ी में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की ओर से फिट इंडिया मूवमेंट से लोगों को जोड़ने और साइकिलिंग के प्रति प्रेरित करने सिविक सेंटर से साइकिल रैली निकाली गई। जिसमें सांसद विजय बघेल , दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, दुर्ग महापौर अलका बाघमार सहित संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ,कलेक्टर अभिजीत सिंह, निगम कमिश्नर राजीव पांडे सहित बीएसपी ऑफिसर एसोसिएशन अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर,महासचिव परविंदर सिंह ग्रेवाल शहर के सैकड़ो खिलाड़ियों ने साइकिल चलाई। इस मौके पर अतिथियों ने कहा कि आज की नई पीढ़ी मोबाइल की दुनिया में खो गई है और उन्हें फिजिकली फिट रहने की सबसे ज्यादा जरूरत है। ऐसे में अगर सप्ताह में एक दिन भी कोई व्यक्ति साइकिल चलने का प्रण लेता है तो वह सेहतमंद रहेगा । ऑफिसर एसोसिएशन के महासचिव परविंदर सिंह ने बताया कि एसोसिएशन और बीएसपी साइकलिंग क्लब की ओर से लगातार 29 सप्ताह से फिट इंडिया मूवमेंट के संडे ऑन साइकिलिंग का कार्यक्रम चलाया रहा है, जिससे सैकड़ो लोग जुड़ चुके हैं। इस अवसर पर सभी ने संकल्प भी लिया कि वह स्वस्थ रहने योग खेल और साइकलिंग से जुड़ेंगे।

कलेक्टर ने डिजिटल क्रॉप सर्वे का मौके पर जाकर किया निरीक्षण

मेगा रक्तदान शिविर में 171 रक्तदाताओं द्वारा रक्त दान

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने तहसील दुर्ग के ग्राम कोड़ियां, भानपुरी, कुथरेल में हो रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को सर्वेयरों की संख्या बढ़ाने और प्रतिदिन सर्वेयरों को लक्ष्य निर्धारित कर सर्वे की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर सिंह शौर्य युवा संगठन व गायत्री प्रज्ञा पीठ कोड़िया एवं कर्मवीर युवा संगठन कातरो द्वारा आयोजित मेगा रक्तदान शिविर में सम्मिलित हुए जिसमें लगभग 171 रक्तदाताओं द्वारा रक्तदान किया गया हैं। भ्रमण के दौरान तहसीलदार दुर्ग प्रफु ल्ल कुमार गुप्ता, अतिरिक्त तहसीलदार क्षमा यदु, हुलेश्वर खूंटे, राजस्व निरीक्षक शेष नारायण दुबे सहित पटवारी और सर्वेयर उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com